वर्ष-17 अंक-09 | प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित | अनूपपुर,27 फरवरी से 05 मार्च 2025 | मूल्य 2.00 पृष्ठ-8 | epaper www.fatwasamachar.com

एजेंसी देना है

एजेंसी लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मो. 9893798715

डाक पंजी-SHL-0019/2025
RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र
आपका विश्वास

सुविचार

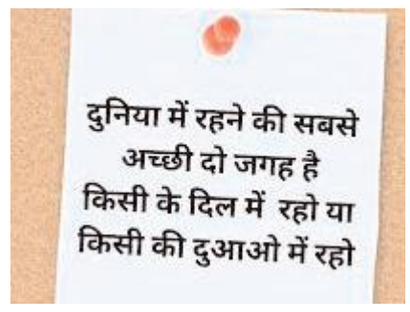

समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म करना, समाज को जागरूक करना और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाना आवश्यक

सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए संत समाज हरसंभव प्रयास करे : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

संवाददता > भोपाल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह महोत्सव हुआ। भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित सामूहिक विवाह में दाम्पत्य सूत्र में बंध रहे जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज को जागरूक करने के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहल सराहनीय है। गुरूनानक देवजी, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे कई संतों ने अपने उपदेशों से छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने का संदेश दिया है। समाज को सन्मार्ग दिखाने की संत परम्परा के इस उद्देश्य को बागेश्वर धाम प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के सम्मुख जोड़ों की वरमाला रस्म संपन्न हुई, उन्होंने प्रतीक स्वरूप 3 जोड़ों को उपहार भेंट किए। श्री बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुईं 251 बेटियों में से 108 बेटियां जनजातीय समुदाय की हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के बागेश्वर धाम पहुंचने पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अंगवस्त्रम और तुलसी की माला भेंट कर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान यंत्र, बालाजी सरकार का विग्रह, धाम से जुड़ा साहित्य और स्मृति चिन्ह भी भेंट किये। इस अवसर पर धाम द्वारा आयोजित छठे सामूहिक विवाह महोत्सव पर केंद्रित लघु फिल्म का

प्रदर्शन हुआ। समारोह में खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश वुमेन लेड डेवलपमेंट को लेकर अग्रसर है। ऐसे समय में बेटियों को सबल और सशक्त बनाने में सहयोग करना समाज और सरकार का कर्तव्य है। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने के लिए जन-जन को प्रतिबद्ध होना होगा। बेटियों के सशक्त होने से परिवार, समाज और देश सशक्त होगा। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ हम अग्रसर हैं। हम ऐसे भारत का निर्माण करें, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हो अपितु सामाजिक समरसता से भी परिपूर्ण हो। देश पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध हो और आध्यात्म से विश्व को राह दिखाने में सक्षम हो। ऐसे राष्ट्र निर्माण में संतों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने संत समाज से मानव कल्याण की भावना के साथ देश में सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और श्री बागेश्वर धाम सेवा समिति द्वारा कराए जा रहे सामूहिक कन्या विवाह समारोह की सराहना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने नव दम्पतियों को उपहार दिए। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि समारोह में नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी के लिए विभिन्न वस्तुओं के साथ-साथ उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए सिलाई मशीन जैसी उपयोगी वस्तुएं भी उपहार में दी जा रही हैं। राष्ट्रपति ने सामूहिक कन्या विवाह समारोह को जन सहयोग से जनकल्याण का श्रेष्ठ उदाहरण बताया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा स्वयं उपस्थित होकर प्रदेश के वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वर्ष-2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए सभी प्रतिबद्ध हैं। देश के विकास के लिए सामाजिक चेतना आवश्यक है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज के लिए अनुकरणीय हैं। समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का मध्यप्रदेश पधारने पर अभिनंदन करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि बागेश्वर धाम में हनुमान जी के आशीर्वाद से सामाजिक बुराईयों को दूर करने का निरंतर कार्य किया जा रहा है। समाज में विद्यमान जातिगत दीवारों को तोड़ना आज के समय की आवश्यकता है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री के प्रयासों से जातिगत बाधाएं टूटी हैं और अलग-अलग जातियों के दूल्हे एक साथ घोड़ी पर बैठे हैं। जातिगत विषमताओं के खिलाफ लड़ते हुए समाज के सामने, शासन-सत्ता और संत की त्रिवेणी की मौजूदगी में सामूहिक विवाह आयोजित कर बागेश्वर धाम नए कीर्तिमान बना रहा है। समाज में प्रेम, सद्भाव और सामाजिक सौहार्द्र बढ़ाने के ऐसे उदाहरण प्रस्तुत करने की बहुत आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐसे संकल्पों के लिए पंडित धीरेंद्र शास्त्री को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने वसुधैव कुटुबम्कम की भावना और %सर्वे भवंतु सुखिन॒, सर्वे संतु निरामय% के विचार को चरितार्थ करके दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की की इस प्रकार के संकल्प और समाज हित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर हम सबको गर्व है, उनके दूरदर्शी निर्णय सामाजिक हित और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह में आज परिणय सूत्र में बंध रही बेटियों को राज्य सरकार की ओर से 51-51 हजार रूपए की राशि उपहार स्वरूप दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री की असम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सराहना की

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उनकी सराहना की है। उन्होंने ऊएडवांटेज असम 2.0 इन्वेस्टमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर समिटऊ को असम के लिए ऐतिहासिक बताया और कहा कि गुजरात के अलावा किसी भी राज्य में इतनी बड़ी निवेश समिट नहीं हुई है।सीएम सरमा ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि असम एक छोटा राज्य है और इतनी बड़ी समिट आयोजित करना राज्य के लिए संभव नहीं था। उन्होंने कहा, ऊअगर प्रधानमंत्री मोदी हमारे साथ न होते तो हम सिर्फ कुछ पड़ोसी देशों को आमंत्रित कर सकते थे।

आतंकियों ने सेना की गाड़ी को बनाया निशाना, बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां

राजौरी ।जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है, जिसमें आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर कई राउंड फायरिंग की। यह घटना सुंदरबनी सेक्टर में करीब 12ः45 बजे हुई। हमले के बाद, सुरक्षा बलों ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, हालांकि इस हमले में किसी के घायल या हताहत होने की कोई खबर नहीं है।सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने हमला करने के बाद मौके से फरार हो गए। घटना उस समय हुई जब सेना द्वारा इलाके में पहले से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। सुंदरबनी इलाका एलओसी से सटा हुआ है ।

बुजुर्ग मां को गुजारा भत्ता दे शख्स, अदालत ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाकर कलयुग का उदाहरण करार दिया

चंडीगढ़। बुजुर्ग मां को 5 हजार रुपये गुजारा देने के खिलाफ अदालत पहुंचे एक शख्स को जज ने कड़ी फटकार लगा दी है। इसके साथ ही शख्स पर भारी जुर्माना लगाया है। मामला पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का है। बुजुर्ग महिला ने पति की मौत के बाद जमीन का एक हिस्सा बेटे को दिया था और उनके पास अब आय का कोई साधन नहीं है। याचिका पर जस्टिस जसगुरप्रीत सिंह सुनवाई कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही 3 महीने में यह रकम अपनी मां के नाम जमा करने के आदेश दिए हैं।

सप्ताह में 70 से 90 घंटे कार्य करने की बात यार्डी ने की खारिज

नई दिल्ली। कैपजेमिनी इंडिया के सीईओ ने भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के सप्ताह में 70-90 घंटे के कार्य के विचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया है। भारत में सप्ताह में 47.5 घंटे काम करने की वकालत की। कैपजेमिनी सीईओ अश्विन यार्डी ने कहा कि वह वीकेंड पर कर्मचारियों को ईमेल भेजने के खिलाफ हैं। वह मुंबई में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

गवाह की कोई उम्र नहीं होती, बच्चों की गवाही भी मान्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि गवाह के लिए कोई न्यूनतम उम्र नहीं होती और बच्ची के बयान को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह 7 साल की है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला खास इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 7 साल की बच्ची की गवाही को आधार बनाया, जिसने अपनी मां की हत्या होते देखी थी।

साहस और संघर्ष से भरा हुआ था

राष्ट्र वीर सावरकर के अमूल्य योगदान को कभी नहीं भूल सकता - पीएम

एजेंसी > नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बुधवार को वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत की आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र उनके अमूल्य योगदान को कभी नहीं भूल सकता जो त्याग, साहस और संघर्ष से भरा हुआ था।

वीर सावरकर, जिनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के भागुर में हुआ था। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि लेखक, वकील और राजनेता भी थे। वे भारत की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल थे और हिंदू महासभा के प्रमुख नेताओं में से एक थे। सावरकर ने अपनी छात्रावस्था के दौरान ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेना शुरू कर दिया था। बाद में, जब वे ब्रिटेन में कानून की पढ़ाई कर रहे थे तब इंडिया हाउस और फ्री इंडिया

सोसाइटी जैसे क्रांतिकारी संगठनों से जुड़ गए। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं जिनमें भारत की पूर्ण स्वतंत्रता की वकालत की गई थी। उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तक हिंदुत्व ॒ हू इज अ हिंदू? मानी जाती है।

1911 में, ब्रिटिश सरकार के मॉर्ले-मिंटो सुधार का विरोध करने के कारण उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप स्थित कुख्यात सेलुलर जेल (काला पानी) में 50 साल की सजा सुनाई गई।

क्या नीतीश कुमार ने कैबिनेट विस्तार के जरिए बड़ा सियासी दांव चला

- गठबंधन धर्म और एकता का संदेश देने की चर्चा

एजेंसी > पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के दो दिन बाद राज्य कैबिनेट का विस्तार हुआ है। बिहार दौरे पर किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लाडला कहा था और 48 घंटे बाद लाडले भाई का भी बड़ा दिल भी देखने को मिला है। दरअसल बुधवार को नीतीश कैबिनेट का विस्तार हुआ। इसमें बीजेपी के सात विधायकों को जगह मिली है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जो विधायक मंत्री बने हैं उनके नाम हैं- संजय सरावगी, सुनील कुमार, जीवेश मिश्रा, कृष्ण कुमार मंटू, विजय मंडल, राजू सिंह और मोतीलाल प्रसाद हैं। वहीं जदयू कोटे से एक भी विधायक को मंत्री नहीं बनाया गया है। इसकी क्या वजह हो सकती है वो तो नीतीश बाबू को ही पता होगा। मगर चर्चा यही है

कि जदयू के किसी विधायक को मंत्री बनाये जाने से जदयू के अंदर कहीं घमासान ना हो जाए शायद इसलिए नीतीश कुमार ने एक दांव चला है। बात करें नीतीश कुमार की तो नीतीश वो नेता हैं जो हर दांव चलने से पहले उसके फायदे और नुकसान देखते हैं। उन्होंने बीजेपी के 7 विधायकों को यूं ही मंत्रिमंडल में जगह नहीं दे दी। कैबिनेट विस्तार के जरिए उन्होंने बड़ा सियासी दांव चला है। बड़ा दिल दिखाते हुए उन्होंने गठबंधन धर्म और एकता का संदेश दिया है। इस तरह उन्होंने जाहिर कर दिया है कि वो एनडीए के साथ सियासी मैदान में उतरेंगे क्योंकि बिहार ही नहीं पूरे देश में उनकी पलटने वाली सियासत के किस्से कौन नहीं जानता। इसके साथ ही उन्होंने जनता को भी ये संदेश देने की कोशिश की है कि नीतीश अब इधर-उधर नहीं जाने वाले हैं।

-शिवसेना-एनसीपी का कब खत्म होगा इंतजार

महाराष्ट्र में 11 बीजेपी विधायकों को मिली अहम विधान समितियों की जिम्मेदारी

एजेंसी > मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा की समिति के विभाजन की घोषणा कर दी गई है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 11 विधायकों को विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। हालांकि, महायुति के सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के विधायकों को अब तक समितियों में स्थान नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक रणधीर सावरकर के नेतृत्व में इन विधायकों को इन समितियों में नियुक्त किया गया है।समितियों में जगह पाए 11 बीजेपी विधायकों में - सार्वजनिक उपक्रम समिति - राहुल कुल, पंचायत राज

समिति - संतोष दानवे-पाटिल, आश्वासन समिति - रवि राणा, अनुसूचित जाति कल्याण समिति - नारायण कुचे, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति - राजेश पाडवी, महिला अधिकार और कल्याण समिति - मोनिका राजले, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति - किसन कथोरे, मराठी भाषा समिति - अतुल भातखलकर, विशेष अधिकार समिति - राम कदम,

शिवसेना और एनसीपी के पास 9-9 समितियां

इस कदम को भाजपा विधायकों के लिए राजनीतिक रूप से पुनर्वास के अवसर के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से उन विधायकों के लिए जो मंत्री पद से वंचित रह गए थे। हालांकि, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी के नेता अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महायुति के हर सहयोगी दल को विधायी समितियों में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा।

झारखंड में लिंगानुपात में आ रहा अंतर, सोरेन सरकार ने लिया एक्शन

रांची। झारखंड की हेंमत सोरेन सरकार अब एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम लागू करने की तैयारी में है, इसमें एनजीओ की मदद से सभी रेडियोलाजी और सोनोग्राफी सेंटरों की निगरानी होगी। यह निर्णय राज्य में लिंगानुपात में आ रहे अंतर को देखकर लिया गया है।बात दें कि पिछले कुछ सालों में लगातार शिशु लिंगानुपात में हो रही कमी की वजह से सितंबर 1994 में पीसीपीएनडीटी एक्ट लागू किया गया था। लेकिन इस एक्ट को प्रभावी बनाने के लिए एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम को लागू की जा रही है।वहीं, कन्या भ्रूण हत्या के लिए लोगों को प्रेरित करने वाले सोनोग्राफी सेंटरों पर भी नजर रहेगी। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम शुरू की गई है। एनजीओ कन्या भ्रूण हत्या रोकने तथा बेटियों की संख्या बढ़ाने के लिए जागरुकता कार्यक्रम चलाएंगें।

संपादकीय

एक महत्वपूर्ण मोड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरन्तर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किये हैं। विकसित भारत-नये भारत-सशक्त भारत का आधार स्वस्थ भारत ही है। मोदी युग ने स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने और मोटापे को नियंत्रित पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से अपने खाना पकाने के तेल की खपत को कम करने का आग्रह किया। मोटापा कई जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, जैसे दिल की बीमारी, टाइप 2 डायबिटीज, स्ट्रोक, सांस लेने में समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे चिंता, तनाव और अवसाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। मोटापे को नियंत्रित करने की मुहिम एक सामयिक एवं सराहनीय कदम होने के साथ स्वास्थ्य-क्रांति का आधार है। प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लड़ने के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहनलाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए यह अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोगों को इसी अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है।

(एक नजर)

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए। कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वर्षगांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है!

विचार

मोदी जी के काम करने का रास्ता अंत्योदय से विकसित भारत की तरफ

अखिलेश जैन
लेखक

वर्ष 2013 के 452 स्टार्टअप्स को 2024 में 1.59 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप से 17.22 लाख नौकरियां पैदा करने में सफलता पाई है। बुनियादी ढांचे को विश्व स्तरीय बनाने में खर्च होने वाले प्रत्येक एक करोड़ की धनराशि पर 200 से 250 मानव वर्ष का रोजगार उत्पन्न किया गया है। यूपीए सरकार की नीति थी, उधार का घी पियो। जिसके परिणाम स्वरुप चालू खाता घाटा और 9.3ब्न मुद्रास्फीति बढ़ गई थी, दूसरी तरफ मोदी सरकार में कोरोना महामारी, रूस यूक्रेन युद्ध के बावजूद देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.4ब्न अनुमानित है, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था में शीर्ष पर है।
2013-14 में 2.2 बिलियन डिजिटल लेनदेन, 2024 में 208.5 बिलियन डिजिटल लेनदेन समावेशी आर्थिक विकास को दर्शाता है।

वर्ष 2013-14 के 16,65,297 करोड़ रुपए के बजट से वर्ष 2024-25 में 50,65,345 करोड़ रुपए के बजट तक की यात्रा कोई आंकड़ों का खेल नहीं, इसके पीछे के मर्म को समझाना पड़ेगा तभी मोदी जी के बजट के साथ न्याय होगा । 2014 के चुनाव में मोदी जी ने सार्वजनिक सभाओं में मतदाताओं से वायदा किया था, एक-एक मतदाता को अपने कार्यकाल का हिसाब दूंगा। एक-एक वोट का ऋण उतारूंगा । मोदी जी की गारंटी, गारंटी पूरा होने की गारंटी है। मोदी जी के काम करने का रास्ता अंत्योदय से विकसित भारत की तरफ जाता है। मोदी जी के दिल में वर्षों से उपेक्षित, शोषित, पीड़ित वर्ग और घरों में कैद देश की आधी आबादी के लिए दर्द उन्हें मजबूर करता है कि विकसित भारत का रास्ता अंत्योदय से निकाला जाए, इस बात को स्वयं मोदी जी सार्वजनिक मंचों से कह चुके हैं कि - जिन्हें कोई नहीं पूछता मोदी उन्हें पूछता है-और पूजता भी है।

प्रधानमंत्री ही संगठन व सरकार के नेता होते हैं । संगठन की अपनी प्राथमिकताऐं और उद्देश्य होते हैं । संगठन की अपनी विचारधारा होती है । जिसके बल पर संगठन का निर्माण होता है। इसी प्रकार सरकार की अपनी प्राथमिकताऐं, उद्देश्य व लक्ष्य होते हैं और प्रधानमंत्री जी को सामंजस्य बनाकर धैर्य पूर्वक लक्ष्य की तरफ अग्रसर होना पड़ता है। प्रधानमंत्री जी के पूरे कार्यकाल का, गुजरात के मुख्यमंत्री पद से आज तक का अगर विश्लेषण किया जाए तो साफ- साफ समझ में आता है कि गरीबों, शोषित व महिलाओं के लिए जो दर्द है वही शासन की नीतियों का केंद्र बिंदु है, इसमें कोई जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद हावी नहीं हो पता है। तभी तो प्रधानमंत्री जी कहते भी हैं तुष्टीकरण नहीं पूर्ण संतुष्टीकरण ।

पहले विश्व में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, फिर विकसित भारत। यह सारी चुनौतियां प्रधानमंत्री जी ने स्वयं ही स्वयं के लिए खड़ी करी हैं । भारत के इतिहास में शायद मोदी जी पहले प्रधानमंत्री हैं , जो स्वयं लक्ष्य निर्धारित कर अपने लिए चुनौतियां खड़ी करते हैं और फिर लक्ष्य को निश्चित समय अवधि में हासिल करने के लिए रात - दिन एक कर देते हैं ।

मोदी जी को मालूम है वह भारत के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री क्यों बनाए गए हैं ? देश की जनता को भरोसा है मोदी जी ही भारत को विकसित भारत बना सकते हैं । मोदी जी ही आज की युवा पीढ़ी को उन्नत, सुरक्षित, समृद्ध भारत प्रदान कर सकते हैं । राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, वैश्विक परिदृश्य कुछ भी हो, हर हाल में मोदी जी को जनता का भरोसा कायम रखना है। मोदी जी नारे, वादों या लंबे-लंबे भाषणों से सरकार नहीं चलाते, मोदी जी धरातल पर काम करके दिखाते हैं। तभी तो एक दशक की केंद्र सरकार में मुखिया बनने के बाद 17.92 करोड़ नौकरियां पैदा की। आज महिला श्रम बल (एलएफपीआर) की भागीदारी दर 23.3ब्न से बढ़कर 37ब्न पर आ गई है। 89.8 लाख लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, जिसमें मुख्यत: ग्रामीण महिलाएं हैं, उनको प्रतिवर्ष कम से कम एक लाख रुपये की घरेलू आय प्राप्त करने हेतु सक्षम बनाया गया है।

वर्ष 2013 के 452 स्टार्टअप्स को 2024 में 1.59 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप से 17.22 लाख नौकरियां पैदा करने में सफलता पाई है। बुनियादी ढांचे को विश्व स्तरीय बनाने में खर्च होने वाले प्रत्येक एक करोड़ की धनराशि पर 200 से 250 मानव वर्ष का रोजगार उत्पन्न किया गया है। यूपीए सरकार की नीति थी, उधार का घी पियो। जिसके परिणाम स्वरुप चालू खाता घाटा और 9.3ब्न मुद्रास्फीति बढ़ गई थी, दूसरी तरफ मोदी सरकार में कोरोना महामारी, रूस यूक्रेन युद्ध के बावजूद देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.4ब्न अनुमानित है, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था में शीर्ष पर है।

2013-14 में 2.2 बिलियन डिजिटल लेनदेन, 2024 में 208.5 बिलियन डिजिटल लेनदेन समावेशी आर्थिक विकास को दर्शाता है। (पीएमजेडीवाई) प्रधानमंत्री जन धन योजना के सहयोग से 500 मिलियन बैंक खाते खोलना समावेशी आर्थिक विकास का सबूत है। यह मोदी जी के (जे ए एम) जनधन, आधार, मोबाइल नेटवर्क ही है जिसके कारण कोविड-19 में, 24 मार्च 2020 से 17 अप्रैल 2020 में, 24 दिन की समय अवधि में 11.42 करोड़ ज के संभव हो पाया।

विचार

ज़हर उगलने वाले क्या जानें उर्दू की मिठास

अतुल जैन
लेखक

`उन्हें मौलवी, कठमुल्ला बनने को प्रेरित करेंगे? यह नाइंसाफ़ी है, यह नहीं चलेगा। योगी आदित्यनाथ के इस बयान से यह सवाल तो ज़रूर खड़ा होता है कि क्या उर्दू को जानने वालों का, उर्दू पढ़ने या पढ़ने वालों का मक़सद केवल मौलवी बनकठमुल्ला बन जाते हैं ? यदि ऐसा होता तो भारत में उर्दू की पहली ग़ज़ल लिखने वाले कश्मीरी पंडित,पंडित चंद्र भान ब्राह्मण न होते। मुंशी नवल किशोर,दया नारायण निगम,जगत मोहन लाल रवां ,नौबत राय नज़र,मुंशी महाराज बहादुर बर्क़ , नाथ मदन सहाय ,पंडित दया शंकर कौर नसीम,पंडित रतन नाथ सरशार,राम कृष्ण मुज़तर, जमुना दास अख़तर , राम लाल, डॉ. जगन्नाथ आज़ाद ,कृष्ण बिहारी नूर,संजय मिश्रा शौक़कृष्ण चंदर,रतन सिंह, भारत भूषण पंत और मलिक राम जैसे हिन्दू उर्दू प्रेमियों के अनगिनत नाम हैं ।

मुग़ल शासक भी उर्दू भाषा को हिंदी या हिंदवी कहते थे। परन्तु चूँकि उर्दू के लिखने में फारसी लिपि का उपयोग होता है इसलिये लोग इसे मुसलमानों की भाषा कहने लगे। शायद यही वजह है कि आज हिंदी व उर्दू भाषा रुपी दो बहनें एक दूसरे में इतनी रम चुकी हैं कि यदि आप इन दोनों को एक दूसरे से अलग भी करना चाहें तो संभव नहीं। उदाहरण के तौर पर केवल चंद ऐसे अल्फ़ाज़ पेश हैं जो आम तौर पर हिंदी भाषा में बोले जाते हैं परन्तु दरअसल इन शब्दों का स्रोत अथवा उद्भव फ़ारसी अथवा उर्दू से ही हुआ है। जैसे हिन्दोस्तॉं, अदालत,वकील,इंसाफ़,मुंसिफ़,पाएजामा,पेशाब,पंजाब,दरवाज़ा, ख़िलाफ़,मुख़ालिफ़त शराब, किताब, इंक़लाब ज़िंदाबाद, शाही(स्नान), डाकख़ाना, दवा,ईलाज, वज़ीर, शाह, बादशाह, हकीम, हाकिम, हुक्म, सब्ज़ी, मकान जैसे अनगिनत शब्द हैं जो प्रत्येक भारतीय रोज़ाना दिन में कई कई बार इस्तेमाल करता है परन्तु शायद उसे इस बात का एहसास भी नहीं होता कि वह उर्दू के शब्द बोल रहा है।

इसके बावजूद उर्दू जैसे मीठी व अदब साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली भाषा का हमारे देश में दशकों से विरोध होता आ रहा है। विरोध तो समय समय पर अंग्रेज़ी का भी हुआ परन्तु दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में अंग्रेज़ी की व्यापक स्वीकार्यता व उसे मिलने वाले समर्थन के चलते राष्ट्रीय स्तर पर उसका विरोध नहीं हो सका। परन्तु उर्दू का विरोध करने का ठेका उसी विचारधारा के लोगों के पास है जो देश को एक रंग में रंगना चाहते हैं। बड़ी आसानी से इस भाषा को मुसलमानों की भाषा या विदेशी भाषा बताते हुये उर्दू का विरोध शुरू हो जाता है। जैसा कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बजट सत्र के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंह से सुनने को मिला। मुख्यमंत्री ने सदन में विपक्ष पर हमलावर होते हुये यह कहा कि - ये अपने बच्चों को अंग्रेज़ी स्कूलों में पढ़ाएंगे और दूसरों के बच्चों को उर्दू पढ़ने को प्रेरित करेंगे। ये उन्हें मौलवी, कठमुल्ला बनने को प्रेरित करेंगे? यह नाइंसाफ़ी है, यह नहीं चलेगा। योगी आदित्यनाथ के इस बयान से यह सवाल तो ज़रूर खड़ा होता है कि क्या उर्दू को जानने वालों का, उर्दू पढ़ने या पढ़ने वालों का मक़सद केवल मौलवी बनना बनाना होता है ? क्या उर्दू पढ़कर लोग कठमुल्ला बन जाते हैं ?

यदि ऐसा होता तो भारत में उर्दू की पहली ग़ज़ल लिखने वाले कश्मीरी पंडित,पंडित चंद्र भान ब्राह्मण न होते। मुंशी नवल किशोर,दया नारायण निगम,जगत मोहन लाल रवां ,नौबत राय नज़र,मुंशी महाराज बहादुर बर्क़ , नाथ मदन सहाय ,पंडित दया शंकर कौर नसीम,पंडित रतन नाथ सरशार,राम कृष्ण मुज़तर, जमुना दास अख़तर , राम लाल, डॉ. जगन्नाथ आज़ाद ,कृष्ण बिहारी नूर,संजय मिश्रा शौक़ ,राम प्रकाश 'बेखुद', खुशबीर सिंह 'शाद' ,मनीष शुक्ल,आनंद मोहन जुत्शी, गुलज़ार देहलवी, कृष्ण चंदर,रतन सिंह, भारत भूषण पंत और मलिक राम जैसे हिन्दू उर्दू प्रेमियों के अनगिनत नाम हैं जिनके बिना भारत में उर्दू अदब का इतिहास लिखा जाना संभव ही नहीं है। सही मायने में तो इन लोगों के योगदान ने ही उर्दू को पूरे विश्व में समृद्ध बनाया। इनके अलावा शहीद व क्रन्तिकारी राम प्रसाद बिस्मिल,अशफ़ाकुल्लाह ख़ान,सुभाष चंद्र बोस,महात्मा गाँधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, रघुपति सहाय फ़िराक़, आनंद नारायण मुल्ला, ब्रज नारायण चकबस्त जैसे अनेक सम्मानित नाम हैं जिन्होंने उर्दू से व उसकी मिठास से प्यार किया। इनमें न तो कोई कठमुल्ला बना न मौलवी न ही इन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण की ख़ातिर इस भाषा से प्यार किया। दरअसल उर्दू को प्यार करने व इसे प्रोत्साहित करने वाले वे लोग थे जिनके मस्तिष्क में नफ़रत वैमनस्य या कुंठा नहीं भरी थी। वह साहित्य के क़द्रदान लोग थे। वह उर्दू को हिंदी की छोटी बहन मानते थे। वह उर्दू को भारतीय भाषा मानते थे मुसलमानों की भाषा नहीं। वह लोग पूर्वाग्रही नहीं थे। समाज में प्यार व सद्भाव बांटते थे इसीलिये उन्होंने अपने संवाद व अपनी रचनाओं का माध्यम उर्दू रखा।

मगर अफ़सोस की बात है कि देश इस समय ऐसे लोगों के हाथों में है जिन्हें अन्य धर्मों व जातियों से नफ़रत है, जिन्हें लोगों के निजी खान पान व पहनावे से नफ़रत है। जिन्हें क्षेत्र व भाषाओं से विद्वेष है। आपसी प्यार मोहब्बत इन्हें अच्छा नहीं लगता। यही वजह है कि कहीं उर्दू बाज़ार का नाम बदल कर हिंदी बाज़ार कर दिया गया। उर्दू के प्रतीत होने वाले अनेक ज़िलों, शहरों, क़स्बों व रेल स्टेशंस के नाम बदल दिए गये हैं। जैसे फ़ैज़ाबाद, मुग़लसराय, इलाहाबाद जैसे अनेक प्रसिद्ध नाम इसी नफ़रती सियासत के कारण इतिहास बन चुके हैं। ऐसे ही संकीर्ण मानसिकता के लोगों की नज़रों में उर्दू पढ़ने वाला सिर्फ़ मौलवी बनता है वह भी कठमुल्ला ? कहना ग़लत नहीं होगा कि ऐसी ही संकीर्ण मानसिकता के लोग हमारे देश की सांझी तहज़ीब के दुश्मन हैं। इन्हें मुसलमानों से नफ़रत,मस्जिदों से नफ़रत,मदरसे इन्हें नहीं भाते,उर्दू शब्दों वाले नामों से इन्हें नफ़रत। क़ब्रिस्तान और शमशान में भेद करना इन संकीर्ण मानसिकता वादियों का व्यसन। धर्मों,जातियों व भाषाओं का विरोध करने वाले यह लोग इतने शातिर हैं कि यदि कोई इन संकीर्ण अतिवादियों का विरोध करे तो यह उसे विधर्मी, देशद्रोही, राष्ट्र विरोधी कुछ भी कह डालते हैं। क्योंकि दुर्भाग्यवश देश की सत्ता आज विषवमन करने वाले ऐसे लोगों के हाथों में है जो उर्दू की मिठास व उसके एहसास व प्रभाव को समझ पाने की क्षमता क़तई नहीं रखते। अपने छात्र जीवन में उर्दू कभी भी मेरा विषय नहीं रहा। हाँ हिंदी में साहित्य रत्न होने के नाते मेरा सबसे प्रिय विषय हमेशा हिंदी ही रहा। और आज भी मैं प्राय: हिंदी में ही लिखता पढ़ता हूँ। परन्तु शेर-ओ-शायरी का शौक़ बचपन से ही था। इसके तथा कुछ पारिवारिक व सामाजिक परिवेश के चलते उर्दू से तरीक़ों से बहुत प्रभावित रहा।

विचार

मेरा नाम आजाद हैः चंद्रशेखर

हेमेन्द्र क्षीरसागर
लेखक

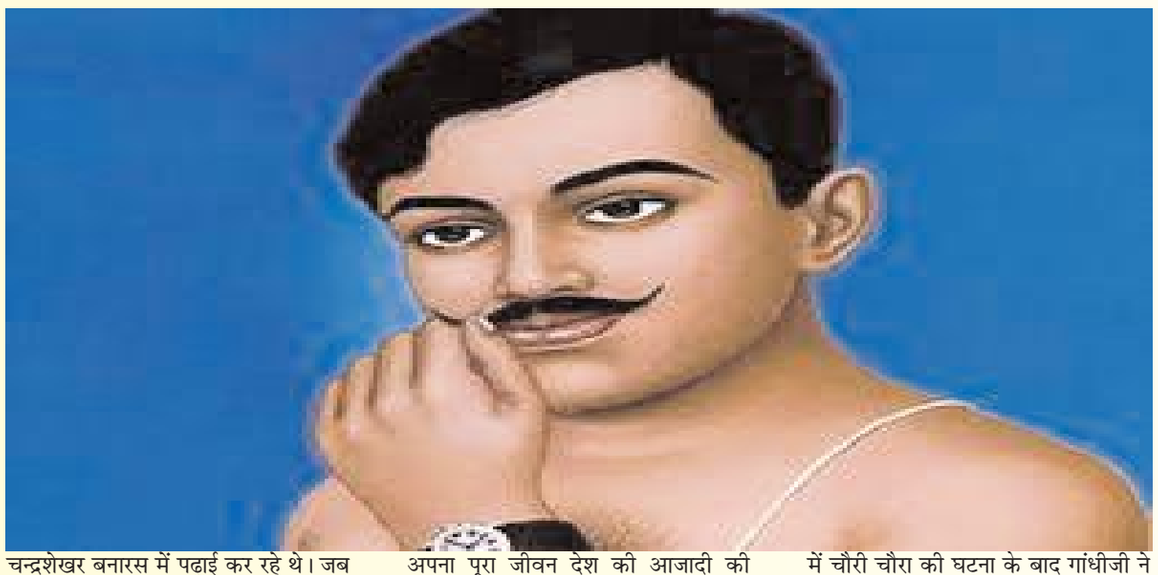

आजाद एक ऐसा शब्द है जो महान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के साथ जुड़ा है। इन्होंने अपनी पूरी जिंदगी को आजाद रखने का वचन लिया था और उसे आखिरी सांस तक निभाया भी। ऐसे मैं हूं आजाद! आजाद थे! आजाद ही रहे! आजादी के महानायक, मां भारती के सच्चे उपासक जगदानी देवी- पंडित सीताराम तिवारी के सपूत चंद्रशेखर आजाद का अवतरण 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नामक स्थान पर हुआ था। चंद्रशेखर का बचपन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित भाबरा गांव में बीता था। यहां पर चंद्रशेखर ने भील बालकों के साथ खूब धनुष बाण चलाए थे। जिसके कारण उन्होंने निशानेबाजी बचपन में ही सीख ली थी।

स्तुत्य, जलियांवाला बाग कांड के समय चन्द्रशेखर बनारस में पढ़ाई कर रहे थे। जब गांधीजी ने सन् 1921 में असहयोग आन्दोलन शुरू किया तो वे अपनी पढ़ाई छोड़कर सड़क पर उतर आए। इन्होंने अपना पूरा जीवन देश की आजादी की लड़ाई के लिए कुर्बान कर दिया। चंद्रशेखर बेहद कम्र उम्र में देश की आजादी की लड़ाई का हिस्सा बने थे। जब सन् 1922 में चौरी चौरा की घटना के बाद गांधीजी ने अपना आंदोलन वापस ले लिया तो चंद्रशेखर का कांग्रेस से मोहभंग हो गया। इसके बाद वे पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल और शचीन्द्रनाथ सान्याल, योगेश चन्द्र चटर्जी द्वारा 1924 में गठित हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए। इस एसोसिएशन के साथ जुड़ने के बाद चंद्रशेखर ने रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में काकोरी कांड 1925 में पहली बार सक्रिय रूप से भाग लिया।

कालजयी, आजाद, भगत सिंह और राजगुरु ने मिलकर 17 दिसंबर, 1928 की शाम को लाहौर में पुलिस अधीक्षक जेपी सांडर्स को मार दिया। जब सांडर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया, तो चंद्रशेखर ने अपनी गोली से उसे भी समाप्त कर दिया। इस हत्याकांड के बाद लाहौर में जगह-जगह परचे चिपका दिए गए, जिन पर लिखा था- लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला ले लिया गया है। चंद्रशेखर ने भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु की फांसी रुकवाने के लिए दुर्गा भाभी को गांधीजी के पास भेजा था, लेकिन वहां से उन्हें कोरा जवाब मिल गया था। चंद्रशेखर ने इन तीनों की सजा कम कराने का काफी प्रयास किया था। वे पण्डित नेहरू से भी आग्रह किए थे कि तीनों की फांसी को उम्रकैद में बदलवा दिया जाए, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मंत्रमुग्ध, चंद्रशेखर को 'आजाद' नाम एक खास वजह से मिला। चंद्रशेखर जब 15 साल के थे तब उन्हें किसी केस में एक जज के सामने पेश किया गया। वहां पर जब जज ने उनका नाम पूछा तो उन्होंने ने कहा, मेरा नाम आजाद है, मेरे पिता का नाम स्वतंत्रता और मेरा घर जेल है'। जज ये सुनने के बाद भड़क गए और चंद्रशेखर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई, यही से उनका नाम आजाद पड़ गया। चंद्रशेखर पूरी जिंदगी अपने आप को आजाद रखना चाहते थे। अभिभूत चंद्रशेखर आजाद का कहना था, देश की स्वतंत्रता के लिए विपत्तियों से युद्ध करना ही मेरा राष्ट्रधर्म है।

अविनाशी, अंग्रेजों से लड़ाई करने के लिए चंद्रशेखर आजाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में सुखदेव और अपने एक अन्य साथियों के साथ बैठकर आगामी योजना बना रहे थे। इस बात की जानकारी अंग्रेजों को पहले से ही मिल गई थी। जिसके कारण अचानक अंग्रेज पुलिस ने उन पर हमला कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पब खेलने वाले 16 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

इंदौर। इंदौर के 16 साल के प्रिंस साहू ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक के पिता संजय कुमार ने जानकारी देते हुए कहा, मोबाइल की लत ने मेरे बेटे की जान ली है। प्रिंस आठवीं कक्षा का छात्र था। उसे पबजी खेलने की आदत थी। उसका मोबाइल पटना जाते समय ट्रेन से चोरी हो गया था। वह नया मोबाइल दिलाने की मांग कर रहा था।

संजय कुमार मजदूरी करते हैं। उनके पास मोबाइल खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। जिससे नाराज होकर युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक की मा ने उसे समझाया था। यदि पिताजी मोबाइल नहीं दिलाएंगे तो वह अपना मंगलसूत्र बेचकर मोबाइल दिला देगी। लेकिन पबजी खेलने की ऐसी आदत लग चुकी थी। वह इंतजार करने के लिए तैयार नहीं था। जहर पीकर उसने आत्महत्या कर ली।

संेवढा विधायक ने दस हितग्राहियों को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कराई

दतिया। दतिया 25 फरवरी 2025/ सेवढा विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से अपने विधानसभा क्षेत्र एवं जिले की जरूरतमंदों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से परिजनों की असमायिक मृत्यु हो जाने पर आर्थिक सहायता के रूप में राशि स्वीकृत करवाई। उन्होंने कुंवर सिंह जाटव निवासी गोविंद नगर की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनकी पत्नी रीना जाटव को 1 लाख रुपये, रामलाल कुशवाहा निवासी भदौना की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनकी पत्नी राम श्री कुशवाहा को 1 लाख रुपये, शिवम गुप्ता निवासी ग्राम इंदरगढ की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके पिता जगमोहन गुप्ता को 1 लाख रुपये, जसवंत कुशवाहा निवासी सेंगुवां के आकस्मिक निधन पर उनकी पत्नी सावित्री कुशवाहा को 1 लाख रुपये, मुन्नालाल बिदुआ पुजारी परशुराम मंदिर दतिया का आकस्मिक निधन हो जाने पर उनकी पुत्री दीक्षा बिदुआ को 1 लाख रुपये, विवेक कुशवाहा निवासी इंदरगढ की आकस्मिक मौत होने पर उनकी पत्नी पूजा कुशवाहा को 1 लाख रुपये, सोनकली माहौर निवासी गुमानपुरा की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर उनके पुत्र राहुल माहौर को 1 लाख रूपये, मनीष कुमार रजक निवासी चीना की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके पिता राम किशोर रजक को 1 लाख रुपये की, छोटेलाल कुशवाहा निवासी ररुवाराय की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनकी पत्नी सुनीता कुशवाहा को 1 लाख रुपये, चुन्नालाल सेन निवासी बरा की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर उनके पुत्र राजू सेन को 1 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करवाई ।

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 1 मार्च को होगा स्वयं सहायता समूह केन्द्रित कृषि प्रसार कार्यक्रम

दतिया ।/ 1 मार्च 2025 को पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय ग्वालियर के द्वारा एक स्वयं सहायता समूह केन्द्रित कृषि प्रसार कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत परिसर दतिया में किया जा रहा है। जिसमें कि जिला प्रशासन, पंजाब नैशनल बैंक के अधिकारीगण, स्वयं सहायता समूहों की लाभार्थी महिलाये एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उधम योजना (क्क्स्नस्स्ध) एवं कृषि अवसंरचना कोष (ढ्ढस्न) योजना के लाभार्थी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में लाभार्थियों को स्वीकृति पत्रो का वितरण किया जायेगा। इस कार्यक्रम में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा वित्त पोषित महिला स्वसहायता समूह के सदस्य अपने उत्पादों का विपणन एवं प्रदर्शन करेंगे।

प्रभारी अपर कलेक्टर ने 51 आवेदनों पर की जनसुनवाई

दतिया। दतिया 25फरवरी 2025/ कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन के निर्देशन में आज प्रभारी अपर कलेक्टर श्री नीरज शर्मा ने न्यू कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में लगभग 51 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। आज जनसुनवाई में ज्यादातर वृद्धापेंशन, बीपीएल तथा अन्य संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी प्रकार प्रभारी अपर कलेक्टर श्री शर्मा ने अन्य संबधित विभागों के आवेदनों पर भी जनसुनवाई की। जिस पर संबधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए गए।

इंदौर में महाशिवरात्रि पर मंदिरों में विशेष आयोजन

सोने-चांदी के पानी से हुआ भगवान का अभिषेक, कई मंदिरों से निकलेगी शिव बारात

संवाददता ➤ इंदौर

इंदौर में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। शहर के प्रमुख मंदिरों को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया है।शिवधाम मंदिर में विशेष भस्म आरती और शिव-पार्वती विवाहपरदेशीपुरा स्थित श्री गेंदेश्वर द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर शिवधाम में पांच दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है। मंदिर प्रमुख राजेश विजयवर्गीय ने बताया कि सुबह 5 बजे विशेष भस्म आरती हुए, जो साल में सिर्फ एक बार होती है। इसके बाद सुबह 9 बजे नमक-चमक अभिषेक हुआ, जिसमें सोने-चांदी की बरक मिले जल से भगवान शिव का अभिषेक किया गया।

शाम को शिव-पार्वती विवाह समारोह का आयोजन होगा। रात 8 बजे तांडव आरती होगी। दिनभर श्रद्धालुओं के लिए फलाहारी भंडारे की व्यवस्था की गई है।परदेशीपुरा स्थित श्री गेंदेश्वर द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में सुंदर सजावट की गई।

बाणगंगा में शिव बारात निकलेगी

संस्था नमो नवगृह शनि एवं सत्यमेव जयते की मेजबानी में बाणगंगा स्थित बाणेश्वरी कुंड पर तीन दिवसीय महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

इसके तहत 26 फरवरी को बाणेश्वर महादेव की भव्य बारात निकलेगी।

बारात में भूत, प्रेत, पिशाच सहित विभिन्न झांकियां शामिल होंगी, जो इसे अनोखा और आकर्षक बनाएंगी। यह यात्रा बाणेश्वरी महा कुंड से शुरू होकर श्री सिद्ध विजय गणेश मंदिर तक जाएगी और फिर वापस बाणेश्वरी कुंड पहुंचेगी। बारात के समापन के बाद महाआरती और प्रसादी वितरण होगा।

परदेशीपुरा स्थित मंदिर में सुबह 5 बजे भस्मारती की गई। इस दौरान कई भक्त भी यहां मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर नवलखा कांटाफोड़ शिव मंदिर में शाम 6 बजे शिव-पार्वती विवाह की झांकी सजाई जाएगी। इस झांकी में मंडप, वरमाला और सात फेरों सहित विवाह की सभी रस्मों के दर्शन होंगे।

झांकी को बंगाल से आए 12 कारीगरों ने 11 दिनों में तैयार किया है।परदेशीपुरा मंदिर में भगवान का सुंदर श्रृंगार किया गया।परदेशीपुरा मंदिर में भगवान का सुंदर श्रृंगार किया गया।

शहर के अन्य मंदिरों में भी विशेष आयोजन

राजराजेश्वर महादेव मंदिर (रेवेन्यू नगर) - सुबह 5 बजे से अभिषेक, 8 बजे विशेष आरती, 9 बजे से फलाहारी खिचड़ी प्रसाद वितरण, रात 8 बजे शिव-पार्वती विवाह और भजन संध्या।

श्री ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर (विजय नगर चौराहा) - शाम 7 बजे भजन संध्या और विशेष श्रृंगार दर्शन।

श्री दत्त माउली सद्गुरु अण्णा महाराज संस्थान (पलसीकर कॉलोनी) - सुबह 9:30 बजे से सामूहिक रुद्राभिषेक, 200 वर्ष पुराने शिवलिंग का विशेष अभिषेक और दोपहर 12 बजे महाआरती।

जिले के 23 सरकारी अस्पतालों में एक साथ लगाई गईं एचआरपी क्लीनिक

संवाददता ➤ ग्वालियर

जिले के 23 सरकारी अस्पतालों में मंगलवार को एक साथ एचआरपी क्लीनिक लगाकर गर्भवती माताओं की जाँच की गई। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित हुईं इन क्लीनिक में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को पंजीकृत किया गया। साथ ही निजी अल्ट्रासोनोग्राफी सेंटर के माध्यम से डिजिटल पेमेंट के जरिए उनकी निःशुल्क सोनोग्राफी कराई गई। इसके अलावा क्लीनिक पर हीमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जाँचें और यूरिन की जाँच भी कराई गई। इस अवसर पर सभी महिलाओं को फल और पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव होने तक लगातार फोलोअप कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। ज्ञात हो मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में भी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत हर माह की 9 व 25 तारीख को चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाकर हाईरिस्क गर्भवती माताओं की जाँच की जाती है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने बताया कि जिले में 23 स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित हुई एचआरपी क्लीनिक में 992 गर्भवती महिलाओं की जाँच की गई। इनमें से 492 महिलाओं को हाई रिस्क गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इनमें से 22 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया और 233 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी जाँच की गई।

जिले में मंगलवार 25 फरवरी को 23 स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाई गईं। इनमें जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हस्तिनापुर, भितरवार, मोहना, डबरा व दीनदयालनगर शामिल हैं। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उटीला, चीनौर, वीरपुर, आंतरी, पिछोर व कुलैथ, प्रसूति गृह माधौगंज व बिरलानगर, यूपीएचसी लक्ष्मीगंज, हुरावली, पंतनगर, ठाठीपुर, बहोड़ापुर, निम्माजी की खो व सिविल हॉस्पिटल हजीरा एवं सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज व हेमसिंह की परेड शामिल हैं।

महिला क्रिकेट स्पर्धा - त्रिमूर्ति क्लब विजेता

संवाददता ➤ इन्दौर

महाराजा शिवाजीराव ट्राफी महिला क्रिकेट स्पर्धा त्रिमूर्ति क्लब ने जीत ली। स्थानीय चिमनबाग मैदान पर हुए स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में उसने आइकान क्लब को 31 रनों से हराया।

फाइनल मुकाबले में मेजबान त्रिमूर्ति क्लब ने पहले खेलते हुए कनिष्का ठाकुर के 96 और सौम्या अली के 38 रनों की मदद से 173 रनों का स्कोर बनाया जिसके जवाब में आइकान क्लब की टीम 142 रन ही बना सकी। उसकी खिलाड़ी लावी (51) और भावना (42) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। पुरस्कार वितरण इंदौर संभागीय क्रिकेट संगठन के सचिव देवाशीष निलोसे, गोपाल यादव और दाऊलाल व्यास के आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने

राकेश कुशवाह और केके गोस्वामी का भी सम्मान किया गया । इस दौरान उदय चौरघड़े, मनोज कंधारी, संजय मिश्रा, मनोज गिरी, विकास यादव, कोच चेतना बैरागी, दिव्या भी मौजूद रहे।

कोतवाली पुलिस द्वारा आदतन अपराधियों के विरूद्ध की गई बड़ी कार्यवाही 5 आरोपी गिरफ्तार

संवाददता ➤ दतिया

पुलिस अधीक्षक दतिया श्री बीरेन्द्र मिश्रा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शिवहरे के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी दतिया सुश्री प्रियंका मिश्रा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना कोतवाली पुलिस दतिया के द्वारा दो दिवस में पांच अपराधियों को अवैध हथियार 315 बोर के कटटो के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियो के कब्जे से पांच 315 बोर का कटटा व जिंदा कारतूस बरामद किए। कोतवाली पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की थाना क्षेत्र में अलग-अलग आरोपी बारदात करने की नियत से अवैध हथियार लेकर घूम रहे है। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में बनाई गई टीम को अलग-अलग घटना स्थल पर रवाना कर घेरा बंदी कर आपरोपियों को 23 एवं 24 फरवरी को पकड़ा गया। जिनमें सोहरव उर्फ सौरभ खान पुत्र अंसार खान उम्र 28 साल निवासी ईदगाह मोहल्ला दतिया, प्रिंस पुत्र लोकेन्द्र परमार उम्र 21 साल निवासी ग्राम हथलई जिगना दतिया, रिंकल उर्फ निरप्रेन्द्र परमार पुत्र रविन्द्र सिंह परमार उम्र 29 साल निवासी जिगना, समक्ष शर्मा पुत्र पवन शर्मा उम्र 25 साल निवासी बीकर थाना दुरसड़ा दतिया, सुमित यादव पुत्र रामबाबू यादव उम्र 25 साल निवासी उड़ीना थाना गोंदन दतिया बताया आरोपियो को गिरफ्तार कर आरोपीगणों के कब्जे से पांच अबैध हथियार 315 बोर के कटटे व पांच जिंदा कारतूस बरामद किए जाकर आरोपियों के विरूद्ध आम्स्त्र एक्त के तहत मामला पंजीवद्ध किया गया।

गिरफ्तार सुदा आरोपीगण पर पूर्व में दर्जनों अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी रिंकल उर्फ निरपेन्द्र परमार के विरूद्ध दतिया में 12 अपराध पंजीवद्ध है, जिसमें हत्या का प्रसास एवं लूट बलात्कार जैसे गंभीर अपराध है आरोपी 5 हजार रूपये का इनामी बदमाश है। आरोपी सक्षम शर्मा निवासी बीकर थाना दुरसड़ा पर जिले के विभिन्न थानों में 16 अपराध पंजीबद्ध है, जिसमें लूट हत्या का प्रयास, चोरी मारपीट आदि के अपराध शामिल है। आरोपी सोहरव उर्फ सौरभ खान निवासी ईदगाह मोहल्ला दतिया पर 4 अपराध पंजीवद्ध है। आरोपी प्रिंस निवासी ग्राम हथलई जिगना पर 5 अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी सुमित यादव निवासी उडीना पर 2 अपराध पंजीवद्ध है।

कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री धीरेन्द्र मिश्रा, श्री अरविंद भदौरिया, श्री अमित ओसारे, श्री शत्रुघन मिश्रा, श्री सुधीर शर्मा, रामप्रताप सेगर, श्री संजीव शर्मा, श्री राजेन्द्र बघेल, श्री ज्ञानेन्द्र शर्मा, श्री बृजमोहन शर्मा, श्री हेमंत प्रजापति, श्री अरविंद रावत, श्री देवेश शर्मा, दीपक शुक्ला, श्री पुष्पेन्द्र रावत, श्री रविन्द्र यादव, श्री धर्मेन्द्र शर्मा, श्री फिरोज खान, श्री लायकराम, श्री चंद्रमोहन एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

कलेक्टर की जन-सुनवाई में इस बार 154 लोगों की हुई सुनवाई

बल्ली का पक्के मकान का सपना होगा पूरा, जन-सुनवाई ने दिया सहारा

संवाददता ➤ ग्वालियर

जिले के दूरस्थ ग्राम बरौआ निवासी श्री बल्ली गौड़ के पक्के घर का सपना जल्द ही साकार होगा। सरकार द्वारा संचालित जन-सुनवाई उनके सपने को पूरा करने का माध्यम बनी है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचे बल्ली की पात्रता का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार के माध्यम से परीक्षण कराया। इसके बाद बल्ली को बताया कि आपकी पात्रता बनती है। प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत आपको मकान बनाने के लिये धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी। यह खुशखबरी सुनकर बल्ली गदगद हो गए और खुशी-खुशी अपने घर लौटे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में 154 लोगों की सुनवाई हुई। कलेक्टर श्रीमती चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व श्री टी एन सिंह सहित जिला

प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक - एक कर इन सभी की समस्यायें सुनीं। साथ ही सभी के आवेदनों के निराकरण के लिये कार्रवाई आगे बढ़ाई। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 154 आवेदनों में से 72 आवेदन दर्ज किए गए। शेष आवेदन 82 आवेदन आवश्यक टीप दर्ज कर विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिये सीधे ही दिए गए हैं। एक महिला को आर्थिक मदद मिलने में आ रही तकनीकी बाधा भी कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जन-सुनवाई में दूर करा दी। इस महिला के पति का निधन हो चुका था। पर गरीबी रेखा की सूची में महिला का नाम न होने से उसे परिवार सहायता व संबल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। परिवार के मुखिया का नाम होने पर शेष सभी सदस्यों का बीपीएल सूची में नाम होने का प्रावधान है। इस आधार पर कलेक्टर ने महिला का नाम बीपीएल सूची में शामिल कर उसे सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश संबंधित अ निराकरण के लिये राजस्व अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर ने किया ज्ञानदीप परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

मंडला। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने मंगलवार को ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के परीक्षा केंद्र पहुंचकर कक्षा 12वी की वार्षिक परीक्षा का अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षा केन्द्र पर किए गए प्रबंधों के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने परीक्षा केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए पानी, बिजली, बैठक व्यवस्था, प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित थे।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह गुरूवार को विभिन्न निर्माण कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह गुरूवार 27 फरवरी को प्रात: 11 बजे पनागर पुराना एनएच 7 मार्ग का फोरलेन चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण तथा परियट नदी पर उच?च स?तरीय पुल का निर्माण एवं गांधीग्राम एनएच 7 के छूटे हुए भाग का चौड़ीकरण का पनागर में भूमिपूजन करेंगे। मंत्री श्री सिंह दोपहर 1.30 बजे ग्राम खैरी पड़वार में पड़वार-पड़रिया मार्ग निर्माण एवं इंद्रा पिपरिया, खैरी, घुघरी खरहरघाट मार्ग तथा गौर नदी पर पुल का निर्माण का भूमिपूजन करेंगे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 67 आवेदकों की समस्या

मंडला। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने 67 आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए उनके समुचित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से संबंधित आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करें। सम्पन्न हुई जनसुनवाई में तिलकवार्ड निवासी राकेश पटेल ने सांची दुग्ध पार्लर व्यवस्थित करने के संबंध में, मोहगांव निवासी ताराबाई बैगा ने संबल कार्ड के अंतर्गत आर्थिक सहायता, सहजनी नारायणगंज निवासी दुर्गा सिंह वरकड़े ने विद्युतमंडल द्वारा काटे गए पेड़ की उचित मुआवजा, गजराज निवासी दीपिका परते ने राशन कार्ड में नाम खारिज कराने सहित अनेक विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, संयुक्त कलेक्टर श्री सीएल वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

ज्ञानदीप स्कूल के निर्माणाधीन भवन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मंडला। ज्ञानदीप इग्लिश मीडियम हायरसेकेंडरी स्कूल में बनाए जा रहे भवन का कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने निरीक्षण किया। नए बनाए जा रहे भवन में भूतल तथा प्रथम तल में चार-चार स्मार्ट क्लास रूम तथा द्वितीय तल में हॉल का निर्माण किया जाएगा, जिसमें विभिन्न पाठ्येत्तर गतिविधियों का संचालन हो सकेगा। इसके लिए पुराने ज्ञानदीप स्कूल के कार्यालय के भवन को ध्वस्त किया गया है। साथ ही नीव का कार्य प्रारंभ है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि बच्चों की बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य में सावधानी रखें। तोड़े गए पुराने भवन का मलबा व्यवस्थित रखें। निर्माण में गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 67 आवेदकों की समस्या

मंडला। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने 67 आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए उनके समुचित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से संबंधित आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करें। सम्पन्न हुई जनसुनवाई में तिलकवार्ड निवासी राकेश पटेल ने सांची दुग्ध पार्लर व्यवस्थित करने के संबंध में, मोहगांव निवासी ताराबाई बैगा ने संबल कार्ड के अंतर्गत आर्थिक सहायता, सहजनी नारायणगंज निवासी दुर्गा सिंह वरकड़े ने विद्युतमंडल द्वारा काटे गए पेड़ की उचित मुआवजा, गजराज निवासी दीपिका परते ने राशन कार्ड में नाम खारिज कराने सहित अनेक विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, संयुक्त कलेक्टर श्री सीएल वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट ने की

कैबिनेट मंत्री ने कलेंडर विमोचन के दौरान कहा जिले के विकास में पत्रकारों की रहती है महती भूमिका

अनवर खान ➤ मण्डला

शुक्रवार को मप्र शासन से अधिमान्य पत्रकार एवं दैनिक समाचार पत्र संघ का वर्ष 2025 के कलेंडर का विमोचन किया गया। कलेक्ट्रेट गोलमेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उईके, विशिष्ठ अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा रहे वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट ने की। इस दौरान भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष समाजसेवी श्रीमति अनिता तिवारी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री सुश्री शशि पटैल मुख्य रूप से उपस्थित रही। उपस्थित अतिथियों का पत्रकारों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार सुधीर कसार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि मंडला जिले में पत्रकारों की भूमिका और दैनिक समाचार पत्रों का जिले के विकास में योगदान में उपस्थित अतिथियों को अवगत कराया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों के द्वारा कलेंडर का विमोचन किया गया। जिसमें मंडला जिले की तमाम सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को संयोजने का प्रयास किया गया है। इस दौरान राजेश साहू अधिमान्य पत्रकार, राजेन्द्र राजपूत अधिमान्य पत्रकार, सैयद जावेद अली अधिमान्य पत्रकार, चन्द्रेश खरे अधिमान्य पत्रकार, विमलेश मिश्रा अधिमान्य पत्रकार, सैयद सिकंदर अली अधिमान्य पत्रकार, कृष्णा साहू अधिमान्य पत्रकार, नीरज अग्रवाल अधिमान्य पत्रकार, एके बडेरिया दैनिक समाचार पत्र संघ अध्यक्ष, विवेक अग्निहोत्री, देवेन्द्र चौधरी, श्रीमति ममता चौरसिया, आयुष चौरसिया, विकास पाठक, प्रदीप शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम समापन पर अधिमान्य पत्रकार नीरज अग्रवाल द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उईके ने कहा कि मंडला के विकास में पत्रकारों की महती भूमिका रही हैं वर्षों से इस बात को मैंने एहसास किया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि मंडला शहर की पार्किंग व्यवस्था सुधारने का कार्य भी चल रहा है। व्यवस्थित पार्किंग के लिए 7.5 करोड़ रुपये दिए है। मंत्री ने कहा कि जबलपुर से छत्तीसगढ़ के रायपुर को जोडने वाली रोड के चौड़ीकरण का रोड मैप बनाया जा रहा है। शहर का सौदर्यीकरण किया जाएगा, क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत करने का कार्य भी किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जनजातीय क्षेत्रों में उत्तम स्वास्थ व्यवस्था, शिक्षा के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। मंडला में शानदार मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है, इससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला के विकास के लिए बहुत काम किये हैं। अकेले मंडला जिले में 9 सीएम राइज स्कूल बनाए जा रहे हैं। कॉलेज के लिए रुपये स्वीकृत किये गए हैं। रानी दुर्गावती कॉलेज में स्टेच्यू लगाकर जनजातीय गौरव को बढ़ाया गया है। लॉ कॉलेज की अनुमति दी गई है। बिल्डिंग निर्माण के लिए धनराशि भी मिल रही है। वहीं इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा करियर पथ है जो सार्वजनिक चर्चा को आकार देकर और महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालकर एक बड़ा सकारात्मक अंतर लाने की क्षमता रखता है। हालांकि यह एक प्रतिस्पर्धी पथ भी है जिसमें सफल होना मुश्किल है और कई पत्रकारिता भूमिकाएँ सकारात्मक प्रभाव के लिए अच्छे अवसर प्रदान नहीं कर सकती हैं। जो व्यक्ति गंभीरतापूर्वक सोचने और अच्छा करने के लिए तत्पर हो तथा जिसके सफल होने की विशेष संभावना हो, उसके लिए पत्रकारिता एक आशाजनक विकल्प हो सकता है। यह रिपोर्ट प्रारंभिक जांच का परिणाम है। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि पत्रकारिता का मूल रूप समाचार या अन्य रुचिकर विषयों पर रिपोर्टिंग करना है। इसमें लेखन, टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया सहित मीडिया के कई प्रकार और विषय शामिल हैं। पत्रकारिता ब्रेकिंग न्यूज से लेकर, जो स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर यथासंभव तुरंत रिपोर्टिंग करती है से लेकर उन विषयों पर लंबे-चौड़े लेख तक हो सकती है जो कम समय के हैं लेकिन वर्षों तक महत्वपूर्ण रह सकते हैं। पत्रकारिता में शोध करना स्रोत खोजना और साक्षात्कार आयोजित करना साथ ही जांच और रिपोर्ट करने के लिए विभिन्न स्थानों की यात्रा करना शामिल हो सकता है। पत्रकारिता अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें - कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त 65 आवेदनों की हुई सुनवाई

दुर्गेश बर्मन ➤ डिंडौरी

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी। आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं के 65 आवेदन प्रस्तुत किये गए, जिनका त्वरित निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं हो पाया, उनके लिए आवेदकों को समय सीमा दी गई। आज जनसुनवाई में डीएफओ पुनीत सोनकर, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आवेदक ग्राम शर्मापुर निवासी दिव्यांग गनपत सिंह ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वे श्रवणबाधित है। उन्होंने हियरिंग ऐड दिलाने की मांग की, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित कर तत्काल उन्हें हियरिंग ऐड दिलाई। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने दिव्यांग गनपत सिंह से हियरिंग ऐड लगाने के बाद चर्चा की। जिस पर लाभार्थी गनपत सिंह ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त कर प्रसन्नता जाहिर की। इसी प्रकार से ग्राम पडरिया कला से जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने पंचायत की शासकीय भूमि पर शिवकुमार झारिया द्वारा अवैध रूप से पक्का निर्माण कार्य कराने की शिकायत की। उन्होंने शासकीय भूमि से अवैध निर्माण में रोक लगाकर कब्जा हटवाने की मांग की। ग्राम घानामार निवासी चरनलाल ने उसके नाम की भूमि पर बिना सहमति के स्कूल भवन निर्माण कराने की शिकायत की। उन्होंने निर्माण कार्य रोक कर अपने नाम की भूमि वापस दिलाने की मांग की। ग्राम सुन्दरपुर निवासी आवेदिका नरबदिया बाई ने राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी द्वारा रिकार्ड सुधार प्रकरण में गलत प्रतिवेदन बनाकर परेशान करते हुए पैसे की मांग करने की शिकायत की। ग्राम पंचायत मनेरी के सरपंच, उपसरपंच लसंकट से निजात दिलाने की मांग की।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत परिजनों के चेहरे पे आई मुस्कान

गुम हुए नाबालिक बालिका को कन्दवाड़ा थाना छेवल्हा जिला रंगा रेड्डी तेलंगाना में दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द ।

डिंडौरी ➤ दुर्गेश बर्मन

शासन प्रशासन के के द्वारा चलाया जा रहा अभियान बहुत सराहनीय है। जिससे परिजनों को अपने बिछड़े परिवार को पाकर उनके चेहरे पर आ रही है मुस्कान।गुम हुए नाबालिक बालक बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा ऑपरेशन मुस्कान अभियान चलाया जा रहा है, अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमती वाहनी सिंह के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी जगनाथ मरकाम व अनु.अधि.(पुलिस) शहपुरा मुकेश अबिंद्रा व थाना प्रभारी शाहपुर कुवंर सिंह मरावी के मार्गदर्शन मे त्वरित कार्यवाही करते हुए टीम गठित कर चौकी विक्रमपुर थाना शाहपुर की गुमशुदा बालिका को कन्दवाड़ा थाना छेवल्हा जिला रंगा रेड्डी तेलंगाना से दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। टीम में चौकी प्रभारी विक्रमपुर सउनि. संतोष यादव एवं आरक्षक 74 रामनिवास, महिला आरक्षक 112 पल्लवी पाराशर , साइबर सेल से प्र.आर.202 मुकेश प्रधान, आर. 20 जगदीश की विशेष भूमिका रही ।

प्रमुख सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू अभिलेख ग्वालियर के नाम जिला पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

फतवा ➤ मण्डला

मप्र पटवारी संघ जिला ईकाई मंडला के द्वारा प्रमुख सचिव राजस्व मप्र शासन भोपाल एवं आयुक्त भू अभिलेख ग्वालियर मप्र के नाम मंडला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने बताया कि वर्तमान समय प्रदेश के पटवारियों को लगातार विभिन्न अभियानों तथा अन्य योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री सम्मान निधी, मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना, ई-केवाईसी तथा फार्मर रजिस्ट्री जैसे अन्य कई महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद प्रदेश के पटवारी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित होकर आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताडित हो रहे है। मांग है कि पहले पटवारी को अवकाश के दिनों में आपातकालीन सेवा हेतु बुलाया जाता था। परंतु पिछले कुछ वर्षों से अवकाश के दिनों में सामान्य कार्यों के लिए भी पटवारी को लगाया जाता है तथा प्रताड़ित भी किया जाता है। जो बंद किया जाए अन्यथा पुलिस विभाग के समान 24 घंटे ड्यूटी पर होने के कारण कारण पटवारियों का वेतन 13 महीनें का प्रदान किया जाए। प्रदेश के कपितय जिलों में सार्थक एप्प एवं ई डायरी अटेंडेस को लेकर पटवारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। जबकि पटवारियों को उचित संसाधन व मोबाइल उपलब्ध नहीं कराए गए है। लगभग 6 वर्ष पूर्व जो निम्न स्तर की कीमतों के उपलब्ध भी कराएं गये थे। वो भी बेकार होकर उपयोग हीन हो चुके है। इसी प्रकार पटवारियों का कार्य क्षेत्र बेहद दुर्गम पहाडी तथा दूरस्थ क्षेत्रों में रहता है, जहाँ नेटवर्क उपलब्ध नहीं रहता है। जिससे उक्त एप्पस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करवान अप्रासंगिक एवं अव्यवहारिक हे। इस हेतु अनिवार्यता समाप्त की जावें। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना में पैसा उच्च स्तर से सीधे किसान के खाते में आता है। पटवारी का कार्य केवल कृषक का रजिस्ट्रेशन करना हैं परंतु पैसा ना आने पर अनावश्यक रूप से सीएम हेल्पलाइन होती है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना में सीएम हेल्पलाइन 181 शिकायत से अलग की जाए। जिस प्रकार लाडली लक्ष्मी योजना को सीएम हेल्पलाइन 181 से पृथक रखा गया हैं। प्रदेश में स्वामित्व योजना का कार्य पटवारी द्वारा किया गया है परतु आज दिनांक तक कई जिलो की तहसीलों में पटवारी को स्वामित्व योजना का पैसा प्रदान नहीं किया गया जिसे तत्काल भुगतान कराया जाए। इसी प्रकार स्वामित्व योजना को लेकर मंदसौर जिले में पटवारियों को निलंबित एवं प्रताड़ित किया जा रहा हैं। पटवारियों के खिलाफ उक्त समस्त कार्यावाही वापस ली जाए। इसी प्रकार मजले टोले के नक्शे का नवीन कार्य पटवारियों से बिना प्रशिक्षण एवं संसाधन तथा बिना मानदेय से करवाया जा रहा हैं। जो अनुचित एवं न्याय संगत नहीं हैं।

रबी फसल वर्ष 2024-25 (रबी विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर उपार्जन नीति के संबंध में दिशा निर्देश जारी

डिण्डोरी। रबी फसल वर्ष 2024-25 (रबी विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की उपार्जन नीति के संबंध में दिशा निर्देश जारी हुए है। उक्त जारी निर्देश के अनुसार चना, मसूर एवं सरसों के पंजीयन की अवधि 20 फरवरी 2025 से 10 मार्च 2025 तक प्रस्तावित है। इसी प्रकार उपार्जन अवधि 25 मार्च से 31 मई 2025 तक प्रस्तावित है। भारत सरकार द्वारा रबी वर्ष 2024-25 (रबी विपणन वर्ष 2025-26) के लिए औसत अच्छी गुणवत्ता की चना फसल के लिए 5650 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर फसल के लिए 6700 रूपए प्रति क्विंटल एवं राई सरसों फसल के लिए 5950 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। अत: जिले के समस्त ऐसे किसान भाइयो से आग्रह है जिन्होंने रबी वर्ष 2024-25 (रबी विपणन वर्ष 2025-26) में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की बौनी की है वे सहकारी समितियों में जाकर नि:शुल्क अथवा निजी साइवर कैफे में जाकर पंजीयन 10 मार्च 2025 के पूर्व करा लें तथा शासन की समर्थन मूल्य योजना का लाभ प्राप्त करें

सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव लाने वाला देश का तीसरा राज्य बना मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश के विकास में जीआईएस-भोपाल ने रचा स्वर्णिम इतिहास: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ➤ छिन्दवाडा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में मध्यप्रदेश पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटा हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में निरंतर अभूतपूर्व उपलब्धियों के कीर्तिमान रचे जा रहे हैं। जीआईएस-भोपाल ने दो दिन में रिकार्ड 26.61 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। जीआईएस-भोपाल ने निवेशकों को रिझाने में कई राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। इन निवेश प्रस्तावों में विगत एक वर्ष में आयोजित 7 रीजनल कॉन्क्लेव, 6 रोड शो एवं इंटरैक्टिव सेशन्स में मध्यप्रदेश को कुल 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे युवाओं के लिए रोजगार के 21.40 लाख से अधिक अवसर सृजित होंगे। मध्यप्रदेश एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया है। जीआईएस-भोपाल के दो दिनों में अलग-अलग सेक्टर में 85 से अधिक एमओयू किए गए हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के अच्छे परिणाम से उत्साहित राज्य सरकार अब सेक्टर्स और क्षेत्रीय औद्योगिक विशिष्टताओं को निवेश के लिये आधार बनाकर भविष्य में इंडिस्ट्रयल कॉन्क्लेव आयोजित किये जाने की रणनीति बना रही है।प्रधानमंत्री श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में मध्यप्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। जीआईएस-भोपाल में मध्यप्रदेश ने निवेशकों को आकर्षित करने में कई राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। राज्य सरकार के कुशल प्रबंधन और मजबूत औद्योगिक नीतियों के कारण मात्र 2 दिनों में 26.61 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।1 वर्ष में कुल 30.77 लाख करोड़ का निवेश- जीआईएस-भोपाल की अभूतपूर्व सफलता के साथ, बीते एक वर्ष में राज्य को कुल 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों में पिछले वर्ष आयोजित 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, 6 रोड शो और इंटरैक्टिव सेशन्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन निवेश प्रस्तावों से मध्यप्रदेश में 21.40 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही, मध्यप्रदेश एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया हैप्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्देशन से मिली सफलता-जीआईएस-भोपाल का शुभारंभ 24 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया। उन्होंने मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश के अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश का यही समय है, सही समय है। उनके उद्बोधन ने अतिथि उद्यमियों के मन में मध्यप्रदेश में निवेश के प्रति भरोसे को और अधिक मजबूत किया। जीआईएस के दूसरे दिन निवेशकों को प्रोत्साहित करने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और केन्द्रीय नागरिक विमानन मंत्री श्री के. राममोहन नायडू उपस्थित रहे। गृह मंत्री श्री शाह के उद्बोधन ने भी निवेशकों में मध्यप्रदेश की क्षमताओं के प्रति विश्वास जगाया।

न्यूज ब्रीफ

शहपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास विजन डाक्युमेंट के दूसरे चरण की बैठक संपन्न

डिण्डोरी। शहपुरा विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे की अध्यक्षता में आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शहपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास विजन डाक्युमेंट के लिए दूसरे चरण की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि शहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए विकास विजन डाक्युमेंट को तैयार किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य क्षेत्र के परिदृश्य और विकास हेतु आगामी वर्षों के लिए कार्य योजना बनाना है। उन्होंने उक्त संबंध में सभी संबंधित विभागों द्वारा प्रस्तावित विचारों पर चर्चा की। विकास विजन डाक्युमेंट शहपुरा विधानसभा क्षेत्र के भविष्य को दृष्टिगत रख बनाया जा रहा है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा, रोजगार, अधोसंरचना, कृषि, उद्योग, सुशासन आदि विषयों को समाहित किया जाएगा। विधायक श्री धुर्वे ने सभी संबंधित विभागों से शहपुरा के विकास मॉडल के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। जिसमें विभागों द्वारा प्रारंभिक रूप से विकास विजन डाक्युमेंट की रूपरेखा बताई गई। विधायक श्री धुर्वे ने कहा कि विजन डाक्युमेंट के लिए सभी विभाग विस्तार से कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी संबंधित विभाग उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करें। जिससे सभी ग्रामों तक मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य आधुनिक सुविधाएं पहुंचाई जा सके। विकास विजन डाक्युमेंट के संबंध में सभी संबंधित विभाग नवाचार युक्त सुझाव प्रस्तुत कर उन्हें पूरा करने के लिए कार्ययोजना बनाना सुनिश्चित करें। विधायक श्री धुर्वे ने कहा कि सभी विभाग अपने प्रस्ताव में ऐसे विकास कार्य शामिल करें, जो बहुउद्देशीय और बहुआयामी हो, साथ ही ऐसे कार्यों के लिए कार्ययोजना बनाये जो आगामी भविष्य की आवश्यकता को पूरा कर सके।

महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं को राज्यमंत्री ने वितरित किया खिचडी प्रसाद

सतना । नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी द्वारा बुधवार को रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कोठी में स्थित सोनौर चौराहे पर महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं को जलपान एवं खिचडी प्रसाद, पेयजल, प्रसाधन आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा और उनकी यात्रा को सहज बनाने के लिए यह छोटी से पहल निरंतर जारी रहेगी। जिससे आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके।

कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत

सतना । कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत सम्पूर्ण जिले की सीमा के अंदर मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के अंतर्गत अधिक कोलाहल वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल द्वारा संचालित हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा एवं हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट, व्यावसायिक पाठ्यक्रम की बोर्ड परीक्षायें जिले में 59 परीक्षा केन्द्रो पर 25 फरवरी से प्रारंभ होकर 25 मार्च तक एवं सीबीएसई हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (10वीं), हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा (12वीं) 4 अप्रैल 2025 तक निरंतर संचालित हो रही हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस ने परीक्षा केन्द्रों एवं केन्द्रों के परिसर और आसपास ध्वनि विस्तार यंत्रों का प्रयोग होने और असामाजिक व्यक्तियों द्वारा न्यूसेंस पैदा करने की आशंका के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत परीक्षा केन्द्रो एवं परीक्षा केन्द्रो के 200 मीटर की परिधि में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। इसके अनुसार कोई व्यक्ति, राजनैतिक दल, छात्र या कर्मचारी संगठन, संघ, ट्रेड यूनियन तथा अन्य कोई संघ या संगठन उपर्युक्त उल्लेखित परिसरों की सीमा से 200 मीटर के अंदर जुलूस, धरना, प्रदर्शन, आमसभा, नारेबाजी, भूख हड़ताल, आमरण अनशन नहीं करेंगा और न ही किसी प्रकार के अनुचित संसाधनों का प्रयोग करेगा। साथ ही उल्लेखित परिसरों तथा संपूर्ण जिलाप्रतिबंधित किया गया हैं।

कलेक्टर ने सेवानिवृत्ति कर्मियो को सौपा पीपीओ

शासकीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई

संवाददाता ➤ सिंगरौली

सिंगरौली 25 फरवरी 2025/ शासकीय कार्यालयों में पदस्थ शासकीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। इस मौके पर सेवानिवृत्ति कर्मचारियों को मौके पर ही उनके पीपीओ (पेंशन स्वीकृति आदेश) दिए गए।जिले के विभिन्न विभागों के 9 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला ने शाल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र देकर विदाई दी।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित समारोह में 31 जनवरी को बीईओ कार्यालय बैढ़न में पदस्थ सेवानिवृत्त शासकीय सेवक लल्ला सिंह धुर्वे, सीएमचओ कार्यालय में पदस्थ सुशीला देवी गुप्ता, पीडब्ल्यूडी कार्यालय में पदस्थ अकबर हुसैन अंसारी, बीईओ कार्यालय बैढ़न में पदस्थ गंगा प्रताप सिंह, बीईओ कार्यालय देवसर में पदस्थ राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी,उदय पाल सिंह, बीईओ कार्यालय चितरंगी में पदस्थ दिनेशधर द्विवेदी, लीला देवी एवं कामता प्रसाद तिवारी को उनकी सेवा निवृत्ति पर सम्मानित कर विदाई दी गई। इस दौरान सेवानिवृत कर्मियो ने अपना अनुभव भी साझा किया । विदाई समारोह में कामता प्रसाद तिवारी ने अपना बैगा समाज के छात्रो को शिक्षा से जोड़ने तथा सुशीला देवी गुप्ता द्वारा लड़कियों के शिक्षा के लिए किए गए प्रयासो का अनुभव साझा किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सेवानिवृत्ति कर्मियों के आगामी जीवन की शुभकामना देते हुये कहाकि आप सब आगे आने वाली पीढ़ी के लिए उदाहरण बनते हुयें शिक्षा के महत्व सहित सामाजिक जीवन के संबंध में अनुभव साझा करे।इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी सिंह, कोषालय अधिकारी श्रीकांत त्रिपाठी, सहायक संचालक कविता त्रिपाठी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शिव जी की बारात में हुये शामिल - संतो से लिया आशीर्वाद

रीवा। महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की बारात में निकाली गयी। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बैजूधर्मशाला पहुंचकर शिव जी की बारात में शामिल हुये। उप मुख्यमंत्री ने बारात में शामिल चित्रकूट के स्वामी श्री बद्रीप्रपन्नाचार्य का वंदन-अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री ने स्वामी श्री बद्रीप्रपन्नाचार्य एवं अन्य संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूजा-अर्चना करके विन्ध्य क्षेत्र और पूरे प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा आमजनों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में देश के सबसे प्राचीनतम शिव मंदिर स्थित हैं। रीवा में महामृत्युंजय मंदिर, देवतालाब शिव मंदिर, मानकमेश्वर मंदिर, गुढ़ में कष्टहरनाथ शिव मंदिर, बिरसिंगपुर में गैबीनाथ शिव मंदिर में हजारों भक्त प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक भजन पूजन करते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से ही क्षेत्र का विकास हो रहा है। रीवा में शिव बारात आयोजन समिति पिछले कई वर्षों से महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात का आयोजन कर रही है। हजारों लोगों का इसमें शामिल होना आयोजन की सफलता का प्रमाण है। भगवान शिव हम सब पर अपनी कृपा सदैव बनाये रखें।

जिले की सहकारी समितियां/मार्केटिंग संस्थाओं को बनाया पंजीयन केन्द्र

दतिया। दतिया 26 फरवरी 2025/ कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी श्री एमएल मालवीय ने बताया कि भोपाल के आदेशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ के उर्पाजन हेतु किसान पंजीयन की अवधि प्रारंभ होकर 31 मार्च 2025 तक की अवधि में पंजीयन केन्द्रों पर प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर समस्त कार्य दिवस में (रविवार एवं शासकीय अवकाश को छोड़कर) कार्यालयीन समय पर किए जाना है। जिस हेतु जिले में संचालित 50 सहकारी समितियों/मार्केटिंग संस्थाओं को पंजीयन केन्द्र निर्धारित किए गए है।

प्रधानमन्त्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटर में हाई रिस्क महिलाओं की जॉच एवं उपचार शिविर का आयोजन

कोटर। सतना जिले के कोटर नगर परिषद में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ. सर्वेश सिंह एवं कमलेश पाण्डेय की उपस्थिति में प्रधानमन्त्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हाईरिस्क महिलाओं की जॉच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। जहां 56 माताओं ने केंद्र में आकर जांच करवाया। जिसमें 2 माताएं हाई रिस्क प्रभावित निकली। उनका जांच उपचार किया गया। शेष 54 माताएं स्वस्थ्य निकलीं। इस मौके पर फार्माशिष्ट सत्येन्द्र प्रताप सिंह,शुभम तिवारी, गायत्री द्विवेदी अजय तिवारी, विपिन साकेत,सहित समस्त स्टॉफ मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने ढेरा में विश्वेश्वरनाथ मंदिर में किया भगवान शिव का अभिषेक

रीवा। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सपत्नि अपने गृह ग्राम ढेरा पहुंचे। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम ढ़ेरा में विश्वेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना करके प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर चित्रकूट धाम के श्री युवराज स्वामी, बद्रीप्रपन्नाचार्य महाराज ने उप मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्र, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा विधायक श्री गिरीश गौतम, विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम रीवा श्री व्यंकटेश पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए पंजीयन जारी किसानों से 2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगा गेंहू का उपार्जन

रीवा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। शासन द्वारा वर्तमान वर्ष के लिए गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 20 जनवरी से शुरू है। पंजीयन 31 मार्च तक होगा। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में जिला आपूर्ति नियंत्रक सीबीएस जादौन ने बताया कि रीवा जिले में गेंहू उपार्जन के लिए 58 खरीदी केन्द्र प्रस्तावित किए जा रहे हैं। किसान इन खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जायेगी। स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसान 50 रुपए का शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र तथा साइबर कैफे में पंजीयन करा सकते हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते दर्ज करें जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोये गये खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका, आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गयी है। केवल पंजीकृत किसानों को ही गेंहू उपार्जन का लाभ दिया जायेगा।

अब ऑनलाइन होगा जीपीएफ का अंतिम भुगतान

रीवा। शासकीय कार्य से सेवानिवृत्त होने पर अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सामान्य भविष्यनिधि खाते जीपीएफ की राशि का भुगतान किया जाता है। इसके अंतिम भुगतान की व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए अब ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की गयी है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को वित्त विभाग के पोर्टल आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर पर ही ई-जीपीएफ के माध्यम से अंतिम भुगतान ऑनलाइन किया जायेगा। इस संबंध में वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश 21 फरवरी 2025 से लागू कर दिये गये हैं। कलेक्टर ने कहा है कि ई-जीपीएफ भुगतान के संबंध में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों और लेखापालों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण ई दक्ष केन्द्र शिल्पी प्लाजा बी-ब्लाक रीवा में तीन और चार मार्च को आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण दो सत्रों में सुबह 11 बजे से एक बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक दिया जायेगा। सभी आहरण संवितरण अधिकारी अपने लेखापाल के साथ प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। जिला कोषालय अधिकारी तथा जिला ई प्रबंधक ई-गवर्नेंस प्रशिक्षण के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करें।

कलेक्टर ने सेवानिवृत्ति कर्मियो को सौपा पीपीओ

शासकीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई

संवाददाता ➤ सिंगरौली

सिंगरौली 25 फरवरी 2025/ शासकीय कार्यालयों में पदस्थ शासकीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। इस मौके पर सेवानिवृत्ति कर्मचारियों को मौके पर ही उनके पीपीओ (पेंशन स्वीकृति आदेश) दिए गए।जिले के विभिन्न विभागों के 9 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला ने शाल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र देकर विदाई दी।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित समारोह में

31 जनवरी को बीईओ कार्यालय बैढ़न में पदस्थ सेवानिवृत्त शासकीय सेवक लल्ला सिंह धुर्वे, सीएमचओ कार्यालय में पदस्थ सुशीला देवी गुप्ता, पीडब्ल्यूडी कार्यालय में पदस्थ अकबर हुसैन अंसारी, बीईओ कार्यालय बैढ़न में पदस्थ गंगा प्रताप सिंह, बीईओ कार्यालय देवसर में पदस्थ राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी,उदय पाल सिंह, बीईओ कार्यालय चितरंगी में पदस्थ दिनेशधर द्विवेदी, लीला देवी एवं कामता प्रसाद तिवारी को उनकी सेवा निवृत्ति पर सम्मानित कर विदाई दी गई। इस दौरान सेवानिवृत कर्मियो ने अपना अनुभव भी साझा किया । विदाई समारोह में कामता प्रसाद तिवारी ने अपना बैगा समाज के छात्रो को शिक्षा से जोड़ने तलिए किए गए प्रयासो का अनुभव साझा किया।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 27 फरवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक थे, जिनके भीतर मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण और अपराजेय साहस था। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जी ने अपने जीवन की अंतिम सांस तक स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, लेकिन कभी भी ब्रिटिश हुकूमत के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका बलिदान देशभक्ति, स्वाभिमान और वीरता का अद्वितीय उदाहरण है, जिसने हजारों युवाओं के हृदय में क्रांति की मशाल प्रज्वलित कर दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जी का जीवन हमें त्याग, साहस और निडरता की सीख देता है। चंद्रशेखर आजाद जी की देशभक्ति की भावना आज भी राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना रखते हुए देशहित में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा हम सभी को देती है।

त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2025 हेतु आदर्श आचरण संहिता प्रभाव शून्य घोषित

रायपुर । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 20 जनवरी 2025 को नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2025 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया था। दिनांक 15 फ़रवरी 2025 को नगरीय निकायों के निर्वाचन के परिणामों की घोषणा के उपरांत नगरीय क्षेत्रों में लागू आचार संहिता उसी दिन 15 फ़रवरी 2025 को समाप्त घोषित की गई थी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आज 25 फ़रवरी 2025 को त्रिस्तरीय पंचायतों के परिणामों की घोषणा के उपरांत ग्रामीण क्षेत्रों में लागू आचार संहिता समाप्त घोषित कर दी गई है। नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2025 एक साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये गये हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने प्रदेश के नगरीय निकायों एवं पंचायतों के मतदाताओं, सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों,रिटर्निंग अधिकारियों एवं जिले के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण,मीडिया प्रतिनिधियों तथा निर्वाचन से जुड़े सभी लोगों को सफलतापूर्वक निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिये आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

छत्तीसगढ़ को 'प्रकृति परीक्षण अभियान' में मिला राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित देश का प्रकृति परीक्षण अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्ट्राइक रेट लक्ष्य में तीसरा स्थान और कुल प्रकृति परीक्षण मानकों पर नौवां स्थान प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ को केन्द्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव ने प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए आयुष विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।यह सम्मान अभियान के राज्य समन्वयक डॉ. संजय शुक्ला ने ग्रहण किया। जहांगीर भाभा थियेटर, मुंबई में आयोजित अभियान के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य को यह सम्मान प्रदान किया गया। 26 नवंबर से 25 दिसंबर तक चले इस अभियान के तहत पूरे देश में 1.29 करोड़ से अधिक नागरिकों का परीक्षण हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ ने 3551 वालंटियर्स के सहयोग से 4.45 लाख से अधिक नागरिकों का सफलतापूर्वक प्रकृति परीक्षण किया। अभियान की महत्ता को देखते हुए छत्तीसगढ़ में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीनस्थ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 40,000 से अधिक अधिकारियों एवं जवानों का भी प्रकृति परीक्षण किया है। संचालक आयुष ने बताया कि मोबाइल एप्लीकेशन आधारित इस अभियान को नागरिकों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इच्छुक नागरिक निकटतम आयुर्वेद महाविद्यालय, जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, आयुष विंग, स्पेशलाइज्ड थैरेपी सेंटर, शासकीय आयुर्वेद औषधालयों एवं निजी आयुर्वेद चिकित्सकों से संपर्क कर अपना प्रकृति परीक्षण करवा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ को 'प्रकृति परीक्षण अभियान' में राष्ट्रीय सम्मान- मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ को 'प्रकृति परीक्षण अभियान' में राष्ट्रीय सम्मान- मुख्यमंत्री श्री साय ने दी बधाईछत्तीसगढ़ ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित प्रकृति परीक्षण अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त किया। राज्य ने स्ट्राइक रेट लक्ष्य में देशभर में तीसरा स्थान और कुल प्रकृति परीक्षण मानकों पर नौवां स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए केन्द्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव ने छत्तीसगढ़ को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।यह सम्मान अभियान के राज्य समन्वयक डॉ. संजय शुक्ला ने ग्रहण किया। जहांगीर भाभा थियेटर, मुंबई में आयोजित अभियान के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया।इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आयुष विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य और आयुर्वेद के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की बढ़ती उत्कृष्टता का प्रमाण है।

15 केंद्र संवेदनशील और 3 अति संवेदनशील घोषित किए गए थे

बस्तर में बदलती तस्वीर- अब सड़क मार्ग से पहुँची बोर्ड परीक्षा की गोपनीय सामग्री

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापना और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती का एक और सकारात्मक पहलू देखने को मिला है। जहां पहले नक्सली खतरे के कारण जगरगुंडा जैसे अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बोर्ड परीक्षा की गोपनीय सामग्री भेजी जाती थी, वहीं इस बार पहली बार सड़क मार्ग से यह सामग्री सुरक्षित रूप से पहुँचाई गई। सड़क मार्ग से परीक्षा सामग्री की सुरक्षित आपूर्ति सिर्फ एक प्रशासनिक सफलता नहीं, बल्कि यह बस्तर में बढ़ती सुरक्षा और शांति की झलक है। यह सिर्फ परीक्षा सामग्री पहुँचने की बात नहीं, बल्कि बस्तर अंचल में सुरक्षा और विश्वास की एक नई सुबह की दस्तक है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मार्च के पहले सप्ताह से आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के लिए 18 परीक्षा केंद्रों में गोपनीय सामग्री भेजी गई। इनमें से 15 केंद्र संवेदनशील और 3 अति संवेदनशील घोषित किए गए थे। बावजूद इसके, प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इतने आत्मविश्वास और नियंत्रण की स्थिति बनी कि पहली बार जगरगुंडा तक सड़क मार्ग से परीक्षा सामग्री भेजी गई।

बस्तर के सुदूर इलाकों में वर्षों तक नक्सली गतिविधियाँ बड़ी चुनौती बनी रहीं। लेकिन शासन-प्रशासन और सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों से अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। पहले जहाँ नक्सली खतरे के चलते जगरगुंडा में हवाई मार्ग से ही आवश्यक सामग्रियाँ भेजनी पड़ती थीं, वहीं अब सड़क मार्ग से सामग्री का सुरक्षित पहुँचाना इस बात का प्रमाण है कि इलाके में कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। पुलिस और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से सड़कों का विस्तार, सुरक्षा बलों की तैनाती और विकास कार्यों के चलते बस्तर अब नई राह पर आगे बढ़ रहा है।

सभी 18 परीक्षा केंद्रों के लिए परीक्षा सामग्री निकटतम पुलिस थानों और चौकियों में सुरक्षित रखी गई है, जिससे परीक्षाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। इस वर्ष हाई स्कूल पाकेला और हाई स्कूल तालनार को दो नए परीक्षा केंद्र के रूप में शामिल किया गया है। इस पूरे अभियान के दौरान माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर से आए अधिकारियों श्री मोहम्मद फिरोज, श्री नारायण नेताम, जिला शिक्षा अधिकारी जी आर मंडावी, समन्वयक केंद्र प्राचार्य पी. अनिल कुमार समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी और केंद्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

गुलाब कमरों के पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कांग्रेस उम्मीदवार पराजित- शरण सिंह

मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

छत्तीसगढ़ प्रदेश के उच्च पदाधिकारी दीपक बैज प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़, डॉ चरन दास महंत नेता प्रतिपक्ष, छग विधानसभा, टीएस सिंहदेव पूर्व उप मुख्यमंत्री छग और अशोक श्रीवास्तव अध्यक्ष जिला कांग्रेस एमसीबी को पत्र प्रेषित किया कि पूर्व विधायक गुलाब कमरो द्वारा पार्टी विरोधी कार्य में निरंतर लिप्त पाए गए थें। इस संबंध में छत्तीसगढ एमसीबी जिला सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष शरण सिंह ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एम.सी.बी. जिला पंचायत क्षेत्र क्र. 06 (ताराबहरा) से जिला पंचायत सदस्य पद हेतु कांग्रेस पार्टी का मुझे अधिकृत(समर्थित) प्रत्याशी घोषित किया गया था. किन्तु पूर्व विधायक गुलाब कमरों द्वारा मुझे हराने के लिए भरतपुर-सोनहत विधान सभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मोती सिंह जो कि उनका वाहन चालक भी है. को मेरे विरूद्ध चुनाव में खड़ा किये थे एव कांग्रेस पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को यहाँ तक कि अपने भाई सुरजीत सिंह को भी मुझे हराने के लिए लगा दिए थे। पूर्व विधायक द्वारा मेरा विरोध किया गया एवं मोती सिंह के पक्ष में वोट मांगा गया जिसके फलस्वरूप मैं चुनाव में पराजित हो गया।

आगे उन्होने बताया कि कमरों जी की इस कृत्य से मैं काफी दुखी हूँ एवं अधिकांश कार्यकर्ता भी बेहद दुखी है। कमरो जी चाहते हैं कि कोई भी आदिवासी चेहरा भरतपुर-सोनहत विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत मेरा बराबरी में तैयार न हो। जिस कारण पार्टी क्षेत्र में कमजोर हो रही है।

इनके विधानसभा क्षेत्र में 8 (आठ) जिला पंचायत क्षेत्र सम्मिलित हैं। जिसमें से केवल नागपुर क्षेत्र से राजेश साहू कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में विजय हुआ है। शेष 7 (सात) क्षेत्रों में कांग्रेस के उम्मीदवार गुलाब कमरों के पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पराजित हुए हैं। गुलाब कमरों के नेतृत्व में भरतपुर-सोनहत विधान सभा क्षेत्र में भीतरघात के कारण कांग्रेस पतन की ओर लगातार गिरती जा रही है।अंत में उन्होने उच्च पदाधिकारियों से निवेदन करते हुए कांग्रेस पार्टी को बचाने के लिए गुलाब कमरों के विरूद्ध जांच कर अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने की माँग की हैं।

नगर निगम आयुक्त प्रतिदिन कर रहे शहर का दौरा, शहर में चल रहे निर्माण कार्यों का ले रहे हैं जायजा

एमसीबी। उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार एवं नगर पालिक निगम के प्रथम नागरिक महापौर रामनरेश राय के मार्गदर्शन में प्रतिदिन चिरमिरी नगर पालिक निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला अपनी स्वच्छता टीम के साथ प्रात: शहर का भ्रमण कर क्षेत्र की आवश्यकताओं का जायजा ले रहे हैं। इसी क्रम में स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छता सर्वेक्षण ओडीएफ प्लस-प्लस वर्ष 2024 को विशेष ध्यान में रखते हुए नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में कोरिया कॉलरी एवं गेल्हापानी के एसएलआरएम सेंटर, पोड़ी के गाड़ाबुड़ा में जल संबंधित कार्य व संचालित गौठान का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान शहर में चल रहे विभिन्न सामुदायिक भवनों के निर्माण कार्यों का जायजा लेकर गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया। वहीं एसएलआरएम सेंटर का अवलोकन कर उपस्थित कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों से सेंटर परिसर में आवश्यक सुविधाओं व डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सहायक अभियंता विजय बधावन, स्वच्छता अधिकारी उमेश तिवारी, जिला समन्वयक प्रवीण सिंह व संबंधित एरिया के सुपरवाइजर मौजूद रहे।

बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना का कार्य अविलम्ब प्रारंभ किए जाए- विजय प्रकाश पटेल

संवाददाता ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

रेलवे डिवीजन बिलासपुर के पूर्व डीआरयूसीसी सदस्य अधिवक्ता विजय प्रकाश पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव तथा रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सतीश कुमार को पत्र प्रेषित कर उनके हस्तक्षेप के बावजूद साझा वित्तीय मंजूरी प्राप्त चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट न्यू रेल लाईन विस्तारीकरण परियोजना का अवरूद्ध कार्य शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की है।

अधिवक्ता पटेल ने अपने पत्र में कहा है कि उपरोक्त बहुप्रतीक्षित जीवनदायिनी परियोजना को 2 वर्षों में पूर्ण कर लेने हेतु वर्ष 2018 में हरदी बाजार कोरबा एवं चिरमिरी रेल परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा भूमि पूजन तत्कालीन रेलमंत्री पीयूष गोयल एवं छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के द्वारा सम्पन्न हो चुका है। केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा परियोजना के लागत का 50-50 प्रतिशत की साझा वित्तीय जिम्मेदारी स्वीकारते हुए एमओयू हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन दुर्भाग्यवश इस बीच छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार सत्तारूढ़ हो जाने से यह परियोजना 5 वर्षों के लिए अधर में लटक गई और भूपेश सरकार ने अपने हिस्से का 50 प्रतिशत फण्ड अंत तक रिलीज नहीं किया, जिसका खामियाजा कांग्रेस सरकार को भुगतना पड़ा, जो अपने विधायकों के साथ सत्ताच्युत हो गई तो दूसरी ओर इन बीते वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद एवं पूरी तैयारी के बावजूद भी यह परियोजना आज तक प्रारंभ नहीं की जा सकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप कर यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ कराने 4 जुलाई 2024 को गुहार लगाने पर जब पीएमओ द्वारा निर्देशित किया गया, तब दपू मध्य रेलवे बिलासपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/परियोजना अधिकारी (निर्माण) द्वारा 7 अगस्त 2024 को मुझे पत्र प्रेषित कर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली गई है। वहीं कलेक्टर कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में भूमि-अधिग्रहण विचाराधीन है, जबकि केन्द्र सरकार अपने हिस्से का फण्ड वर्ष 2018 को सम्पन्न भूमि पूजन के पश्चात् हर बजट में उपलब्ध करा रही है और छत्तीसगढ़ शासन ने भी 1 वर्ष पूर्व 9 फरवरी 2024 को अपने हिस्से का फण्ड रिलीज कर दिया है। उन्होंने कहा कि इतने लम्बे समय से उपलब्ध रखे हुए इतनी बड़ी धनराशि से चिन्हांकित और सूचीबद्ध प्रभावितों को मुआवजा राशि देकर भूमि-अधिग्रहण और टेण्डर की कार्यवाही अब तक न होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व डीआरयसीसी सदस्य पटेल ने कहा कि उपरोक्त परिस्थितियों और परियोजना के क्रियान्वयन में हो रही अनावश्यक देरी को लेकर सम्पूर्ण सरगुजा एवं शहडोल दोनों संभागों के लाखों नागरिकों एवं कोयलांचलवासियों में भ्रम, घोर निराशा, हताशा और व्यापक असंतोष व्याप्त है। श्री पटेल ने प्रधानमंत्री से स्वयं हस्तक्षेप करने की गुहार लगाते हुए बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना का कार्य अविलम्ब प्रारंभ किए जाने की मांग की है।

जिले में छत्तीसगढ़ पंचायत चुनाव 2025 की आचार संहिता हुई समाप्त

एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 की प्रक्रिया पूरी हो गई है। निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 25 फरवरी 2025 को मतगणना समाप्त होने के बाद चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए। इसके साथ ही राज्य में लागू आदर्श आचरण संहिता को प्रभाव शून्य घोषित कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के इस निर्णय के बाद अब शासन-प्रशासन द्वारा रुके हुए विकास कार्यों को गति मिलने की संभावना है। चुनावी प्रक्रिया के दौरान लागू आचार संहिता के कारण नई योजनाओं की घोषणा और सरकारी कार्यों पर प्रतिबंध था, लेकिन अब इन पाबंदियों के हटने से प्रशासनिक गतिविधियां पुन: सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त के आदेश के बाद पंचायतों में नव-निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे।

संघर्ष की मिट्टी से बनी सरिता की तक़दीर

रायपुर। गाँव की उस कच्ची पगडंडी पर सरिता बाई नगेशिया अक्सर नंगे पाँव चला करती थीं। धूप कितनी भी तेज़ हो, बारिश कितनी भी ज़ोर से बरस रही हो, या ठंड कितनी भी कड़ाके की हो उन्हें हर हाल में रोज़ की मजदूरी पर जाना ही होता था। उनके लिए दिन का मतलब था सुबह से शाम तक खेतों में मेहनत, और रात का मतलब था अगले दिन के काम की चिंता।

मेरे पास सपने थे, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए साधन नहीं, सरिता बाई अक्सर खुद से कहतीं। दो वक्त की रोटी जुटाने में ही जीवन बीत रहा था। उनके बच्चे स्कूल जाना चाहते थे, मगर किताबों और फीस के लिए पैसे कहाँ थे ? घर की दीवारें कच्ची थीं, और सपनों की नींव भी उतनी ही कमजोर लगती थी। एक दिन गाँव की कुछ महिलाओं ने उनसे सीताराम महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने की बात की। सरिता बाई को यकीन नहीं था कि क्या इससे सच में कुछ बदल सकता है? लेकिन उनके पास खोने को कुछ नहीं था, तो वे जुड़ गईं। धीरे-धीरे वे समूह की बैठकों में जाने लगीं, और वहाँ उन्होंने कुछ ऐसी कहानियाँ सुनीं, जो उनकी अपनी कहानी से मिलती-जुलती थीं। उन महिलाओं ने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी ज़िंदगी बदल दी थी।

कस्त में किसानों को 2000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

धानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना 19 वीं किस्त जारी

एमसीबी/ ➤ सरगुजा

आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 19वीं किस्त जारी की गयी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19 वीं किस्त की राशि जिले के कृषकों के समक्ष वेबकास्ट के माध्यम से प्रसारण किया गया। इस किस्त में किसानों को 2000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

यह राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से जमा की जा रही है। इस योजना के तहत किसानों को प्रति वर्ष 6000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो कि तीन किस्तों में दी जाती है। यह योजना छोटे और सीमांत किसानों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। जिले के 31269 किसानों के खाते में 6 करोड़ 23 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। हालांकि जिन किसानों ने ई-केवाईसी और आधार लिंक सहित अन्य औपचारिकता पूरा नहीं की है उनकी किस्त अटकने की आशंका है। इस दौरान उप- संचालक कृषि लाल सिंह आर्मो, अनुविभागीय कृषि अधिकारी धर्मेंद्र कुर्रे, वरिष्ठ कृषि अधिकारी रवि गुप्ता एवं कृषि विस्तार अधिकारी विकास चौरसिया सहित जिले कृषक उपस्थित रहे।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है। सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास

सूर्य के काल्पनिक रथ जैसा

कोणार्क सूर्य मंदिर

कोणार्क भुवनेश्वर से पैंसठ किलोमीटर दूर है। यह विश्वविख्यात सूर्य मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। कोणार्क में सूर्य मंदिर की शिल्पकला देखते ही बनती है। इसके अलावा रेतीले समुद्री तट की मनोहारी खूबसूरती भी देखने लायक है। यहां तैराकी का आनंद भी लिया जा सकता है। सूर्य मंदिर ओडिशा की परंपरागत स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है।

भुवनेश्वर और पुरी से यहां के लिए सीधी बस सेवाएं हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से भ्रमण की भी व्यवस्था है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

सूर्य मंदिर- 9वीं शताब्दी में केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है।

इसमें सूर्य अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलता दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों, सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों को इसकी परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। यह मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

समुद्र तट- कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है।

संग्रहालय- यह सूर्य मंदिर के निकट ही स्थित है। यहां कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह है जोकि दर्शनीय

सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांतिनिकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है। यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय प्रशिक्षण परियोजना में एम्स भोपाल के डॉ. नरेंद्र चौधरी ने बाल रोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, डॉ. नरेंद्र चौधरी, अतिरिक्त प्रोफेसर एवं पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजिस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट, ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा में राष्ट्रीय प्रशिक्षण परियोजना (नेशनल ट्रेनिंग प्रोजेक्ट) के तहत बाल रोग विशेषज्ञों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व किया। इन सत्रों में मस्तिष्क ट्यूमर, छाती में पाई जाने वाली गांठें (चेस्ट मास्सेस) और बच्चों में कैंसर के उपचार के दौरान रक्त आधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) से जुड़ी भ्रांतियों एवं तथ्यों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान, डॉ. चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक निदान और समय पर रेफरल, साथ ही बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजिस्ट, विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जनों के बीच समन्वय, मस्तिष्क ट्यूमर के प्रभावी प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई मस्तिष्क ट्यूमर में सर्जरी के साथ-साथ कीमोथेरेपी की भी आवश्यकता होती है ताकि उपचार की संभावना बेहतर हो सके। कुछ ट्यूमर, जैसे कि मस्तिष्क में जर्म सेल ट्यूमर, उपयुक्त कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के माध्यम से बिना सर्जरी के भी ठीक किए जा सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बेहतर उपचार परिणामों के लिए न केवल आम जनता बल्कि रेफर करने वाले डॉक्टरों के बीच भी जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है।

जीआईएस-2025 मध्यप्रदेश के समृद्धशाली विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी- किशन सूर्यवंशी

भोपाल। नगर निगम, भोपाल के अध्यक्ष एवं जीआईएस-2025 के आयोजन हेतु गठित शीर्ष समिति के सदस्य किशन सूर्यवंशी ने कहा है कि ग्लोबल इंवेस्टर समिट-2025 मध्यप्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध, सक्षम और विकास के सोपान पर सबसे आगे रखने में मील का पत्थर साबित होगी। सूर्यवंशी ने यह विचार समाचार माध्यमों के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए व्यक्त किए। सूर्यवंशी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मध्यप्रदेश में विकास की संभावनाओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की है और हम प्रधानमंत्री के अत्यंत प्रेरणादायी आशीर्वचन से अभिभूत हैं। श्री सूर्यवंशी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की इस पावन धरा पर वैश्विक स्तर का अपने किस्म का पहला आयोजन कर प्रदेश को नई ऊंचाईयां प्रदान की हैं। निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी ने समाचार माध्यमों के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए ग्लोबल इंवेस्टर समिट के आयोजन को अद्भुत व सफल आयोजन निरूपित करते हुए कहा कि भोपाल को इस आयोजन के लिए दुल्हन की तरह सजाया गया है और इस आयोजन की सभी तैयारियों की प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार समीक्षा कर रहे हैं और आयोजन से संबंधित सभी समितियों एवं उपसमितियों की लगातार बैठक कर इस आयोजन को गरिमापूर्ण बनाने पर पूरा ध्यान केन्द्रित किये हुए हैं। श्री सूर्यवंशी ने कहा कि राजधानी भोपाल इस प्रकार के आयोजनों के लिए सक्षम है और यहां की जनता भी मेहमानों का हृदय से अभिनंदन करना जानती है। जीआईएस-2025 में सम्मिलित होने आये देश-विदेश के मेहमान आयोजन की तैयारियों एवं सजावट को देखकर खुश हैं और भोपालवासी भी खुश हैं। श्री सूर्यवंशी ने आयोजन की तैयारियों से संलग्न सभी एजेंसियों के कार्यों की सराहना भी की।

श्रद्धा भक्ति भाव के साथ मनाया गया भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक

भोपाल। राजधानी के जैन मंदिरों में जैन धर्म के 20 वे तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। शहर के सभी 85 जैन मंदिरों में भगवान मुनि सुब्रतनाथ का अभिषेक पूजा अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान हुए। मीडिया प्रभारी अंशुल जैन ने बताया कि राजधानी के मंदिरों में 51000 से अधिक निर्वाण लाडू समर्पित किए गए। मुनि प्रमाण सागर महाराज के सासंघ सानिध्य में सोनागिर जैन मंदिर में अनुष्ठान हुए मुनि श्री ने मोक्ष कल्याणक के महत्व को बताया। सिद्धार्थ लेक सिटी जैन मंदिर में मूल नायक भगवान मुनिसुव्रत का स्वर्ण कलशों से महा मस्तकाभिषेक हुआ। जिनालय में श्रद्धालु प्रभु की पूजा अर्चना आराधना में लीन थे। मंदिर समिति अध्यक्ष पंकज जैन गेरतगंज ने बताया जिनालय के 15 वे स्थापना दिवस पर डोंगरगढ़ से आए आचार्य विद्या सागर महाराज के चरण चिन्ह को स्थापित किया गया। प्रतिष्ठाचार्य अविनाश भैया के निर्देशन में श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान के साथ अनुष्ठान हुए। यहां शाम को महा आरती के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर चरणचिन्ह की अगवानी समाज द्वारा भव्य रथयात्रा, भजन-गान एवं नृत्य के साथ की गयी। एवं प्रथम लाडू के पुण्यार्जक होने का सौभाग्य राजेंद्र सेठी को प्राप्त हुआ।

कोतवाली पुलिस द्वारा कालेज छात्र का गुम हुआ मोबाईल सी. ई. आई.आर. पोर्टल से ढूंढ़कर दिलाया वापस

फतवा ➢ अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को मोबाईल फोन गुमने अथवा चोरी जाने की रिपोर्ट होने पर तत्काल सी.ई.आई.आर. पोर्टल में रिपोर्ट दर्ज की जाकर तत्परता पूर्वक गुम अथवा चोरी गये मोबाईल को प्राप्त कर रिपोर्टकर्ता को सौंपे जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में बी. काम. प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्र भूपेन्द्र कुमार पिता संतोष प्रसाद निवासी ग्राम बरटोला थाना राजेन्द्रग्राम के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में शिकायत दर्ज कराई कि दिनांक 11.02.2025 को बस स्टैण्ड अनूपपुर में ओप्पो कंपनी का 20000 रूपये कीमती स्मार्ट फोन गिरकर गुम हो गया है। जो टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन के द्वारा कालेज छात्र के गुम मोबाईल की रिपोर्ट सी.ई.आई.आर. पोर्टल में दर्ज की जाकर पतासाजी की गई एवं प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिहं एवं आरक्षक अब्दुल कलीम, आरक्षक पल्लव खराड़ी के द्वारा गुमा हुआ मोबाईल अमलाई थाना चचाई से दस्तयाब कर बुधवार को कालेज छात्र भूपेंद्र कुमार को सौंपा गया है। बीस हजार रूपये कीमती गुम हुए मोबाईल के प्राप्त होने पर कालेज छात्र ने अनूपपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

जामा मस्जिद बैढ़न सदर का मतदान के दौरान शहनवाज खान बने सदर

सिंगरौली-बैढ़न नूरी जामा मस्जिद बैढ़न का सदर चुनने हेतु आज सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 तक मतदान हुआ जिसमें कुल 1342 मत पड़े थे जिसमें तीन प्रत्याशी थे नाम इस प्रकार शाहनवाज खान उर्फ मिनहाज खान को 894 मत मिले और वही दूसरे प्रत्याशी रहे मोनिश खान को 354 मत प्राप्त हुये और वही तीसरे प्रत्याशी रफीउल्लाह बेग को 79 मत मिले थे मतदान के उपरांत गिनती हुयी जिसमें शाहनवाज खान उर्फ मिनहाज खान को निर्वाचन मंडल ने विजयी घोषित कर पुनः सदर बनाया गया और पटाखा फोड़कर माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया और साथ में मिष्ठान लड्डू का वितरण हुआ, शांतिपूर्ण मतदान कराने में बैढ़न कोतवाली पुलिस व निर्वाचन मंडल टीम की अहम भूमिका रही उक्त निर्वाचन मंडल मे मुख्य रूप से पदाधिकारी मुन्ना सिद्दीकी, इम्तियाज अहमद खान, मुजीब खान, जम्मू बेग,सैब सिद्दीकी, मोबिन अंसारी, सदस्य मो. हदीस, मो. शाहिद (रिंकू), मकसूद रजा, मो.इरशाद, राशिद खान, बालू, सैकड़ो की संख्या में अन्य पदाधिकारी सदस्य भारी संख्या में उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर अमरकंटक में पांच दिवसीय मेले का आज होगा शुभारंभ

मेला के लिए आवश्यक प्रबंध की तैयारियां पूर्ण

संवाददता ➢ अनूपपुर

मां नर्मदा के उद्गम क्षेत्र पवित्र नगरी अमरकंटक में महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर पांच दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। 26 फरवरी महाशिवरात्रि पर मेले का शुभारंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्य से श्रद्धालु सपरिवार इस अवसर पर अमरकंटक आकर उत्सव का आनंद लेते हैं। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं, सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के दिशानिर्देशन में मेला की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

सर्किट हाऊस के पीछे स्थित मेला ग्राउंड में प्रदर्शनी के साथ ही दुकानें, झूला, मनोरंजक साधन तथा मिष्ठान की दुकानें सहित विविध सामग्रियों की दुकानें सजाई जा रही हैं। नर्मदा उद्गम मंदिर तथा नर्मदा घाट तथा देवालयों में पूजा-अर्चन, रुद्राभिषेक, जप की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए पार्किंग तथा यातायात, स्वास्थ्य, फायर सेफ्टी, पेयजल आदि व्यवस्था के साथ ही कार्यपालिक मजिस्ट्रेट व पुलिस बल की तैनातगी की गई है।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर के नेतृत्व में टीम द्वारा दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है।

माननीय राज्यपाल ने नन भईया बैगा के घर किया भोजन

संवाददता ➢ शहडोल

प्रदेश के राज्यपाल माननीय मंगुभाई पटेल ने आज शहडोल जिले के प्रवास के दौरान विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवार के नन भईया बैगा के घर ग्राम धुरवार में भोजन किया। बैगा परिवार व्दारा फंसई का चावल,इंदरहर की कढ़ी, लहसुन और टमाटर की सिलबट्टे से बनी चटनी, कुटकी की खीर,मिक्स वेज,पालक पनीर,सेमी की साग,पापड़,सलाद ,तवा रोटी का स्वाद चखा, उनके साथ जन मन योजना के हितग्राहियों, सरपंच मीरा बाई बैगा ने भी भोजन किया। गांव में पहुंचने पर माननीय राज्यपाल मंगू भाई पटेल का जनजातीय संस्कृति के अनुरूप टिमकी तथा नगरिया से लैस नृत्य दल ने परंपरागत तरीके से स्वागत किया तथा नन भईया बैगा एवं ग्रामीणों ने कलश से अगुवाई कर स्वागत किया ।

शादी का झांसा देकर महिला का शारीरिक शोषण का आरोपी कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार

थाना कोतवाली अनूपपुर क्षेत्रान्तर्गत निवासी 25 वर्षीय महिला द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि करीब पांच माह पूर्व बस में सफर के दौरान नान्हू बैगा निवासी बरगवां चचाई ने महिला से मित्रता कर ली और शादी करने का विश्वास दिलाकर पिछले पांच माह से शारीरिक शोषण कर रहा है जो शादी का कहने पर मना कर दिया तथा पता चला कि नान्हू बैगा पूर्व से शादीशुदा एवं दो बच्चो का पिता है। उक्त महिला की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 80/25 धारा 69 बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया जाकर महिला उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा एवं प्रधान आरक्षक संदीप साहू, शिवशंकर प्रजापति, महिला आरक्षक ज्योति धार्वे आरोपी नान्हू प्रसाद बैगा पिता लच्छू बैगा उम्र करीब 28 साल निवासी बरगवां चचाई जिला अनूपपुर को गिरफ्तार किया गया है।

कोतवाली अनूपपुर पुलिस में पदस्थ गुपाल सिहं को प्रधान आरक्षक पद पर मिली पदोन्नति

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी द्वारा सोमवार को आरक्षक से प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक) के पद पर पदोन्नति की जारी सूची में थाना कोतवाली अनूपपुर में पदस्थ आरक्षक गुपाल सिह बैच नम्बर 205 को प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक) पद पर पदोन्नति दी गई है। जो थाना कोतवाली अनूपपुर पुलिस स्टाफ द्वारा गुपाल सिहं को पदोन्नति पर बधाईया दी गई।

आवेदनों के निराकरण की स्थिति प्रस्तुत करने अधिकारियों को निर्देश

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

संवाददता ➢ अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण संबंधी दिशानिर्देश दिए। जनसुनवाई में 55 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह बघेल, तहसीलदार श्री अनुपम पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों

के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर ने जनसुनवाई में विभागीय अधिकारियों को जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण, मान्य-अमान्य संबंधी कार्यवाही कर फाईल में की गई कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण व विकास विभागों के विभागीय अधिकारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के माध्यम से तथा अपर कलेक्टर को आवंटित विभाग के अधिकारी अपर कलेक्टर के माध्यम से फाईल भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व संबंधी मामलों की सुनवाई करते हुए मौके पर ही संबंधित राजस्व अधिकारियों को कार्यवाही के संबंध में दिशानिर्देश दिए। जनसुनवाई में नक्शा तरमीम, सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, एसईसीएल द्वारा अधिग्रहीत भूमि के एवज में नौकरी प्रदाय करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई में ग्राम मेड़ियारास तहसील अनूपपुर की रोशनी कुशवाहा ने बीपीएल कार्ड बनवाए जाने, अनूपपुर निवासी राजेश कुमार खरे ने पुत्रियों की स्कूल फीस माफ किए जाने, वार्ड नं. 04 कोतमा के राजू पनिका ने आवागमन का रास्ता दिलाए जाने, ग्राम ताराडांड़ तहसील अनूपपुर की लीला देवी ने मुख्यंमत्री कन्या विवाह योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम जरहा तहसील पुष्पराजगढ़ के श्री चंद्रशेखर बैगा ने पीएम जन-मन योजना में भतपानी की समस्या के संबंध में आवेदन दिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जिंसी जहांगीराचाद, भोपाल, मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। **संपादक**-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनुपपुर होगा। मो. 9893798715